संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

15वें वर्ष में प्रवेश

दैनिक नैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-032 ◆ रायपुर, बुधवार 03 जुलाई 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

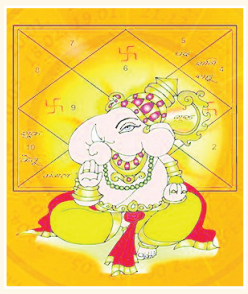

तिथि	द्वादशी
नक्षत्र	रोहिणी
प्रथम करण	तैतिल
द्वितीय करण	गर
पक्ष	कृष्ण
वार	बुधवार
योग	शूल
सूर्योदय	05.29
सूर्यास्त	19.21
चंद्रमा	वृषभ
राहुकाल	12.25-14.09
विक्रमी संवत्	2081
शक संवत	1944
मास	आषाढ़
शुभ मुहूर्त	अभिजीत नहीं है

आरक्षण मामला: हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने सुको पहुंची नीतीश सरकार

पटना। नीतीश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पटना हाईकोर्ट के 65 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाने के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में संशोधित आरक्षण कानूनों को रद्द कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ बिहार सरकार के वकील मनीष सिंह ने याचिका दायर की और दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए कोटा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने की मांग की। विपक्ष लगातार आरोप लगा रही थी कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बिहार में आरक्षण को बढ़ाना नहीं चाहती थी। भाजपा आरक्षण के साथ खिलवाड़ करना चाहती है। कुछ दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने कहा था कि हमलोगों को संदेह पहले से ही था कि भाजपा के लोग किसी भी हालत में आरक्षण को रोकने का काम करेंगे। हमलोगों ने चुनाव में भी कहा था कि भाजपा के लोग आरक्षण विरोधी लोग हैं। विपक्ष के इन आरोपों के बीच एनडीए सरकार की ओर से सुप्रीमो कोर्ट का रुख करना विरोधियों को जवाब देना माना जा रहा है।

नीट विवादः युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा

नई दिल्ली। नीट को लेकर मचे बवाल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लोकसभा में कहा कि इस मामले में गिरफ्तारियां की जा रही हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति महोदया ने अपने संबोधन में पेपर लीक पर भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मैं भी हर विद्यार्थी को, हर नौजवान को कहूंगा कि सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है। युद्ध स्तर पर हम अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को कत्तई छोड़ा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट के मामले में देशभर में पहले ही गिरफ्तारियां की जा रही हैं।

भोले बाबा के सत्संग में भगदड़

120 हुई मरने वालों की संख्या

मृतकों को 2 लाख, घायलों को 50 हजार देगी सरकार, घायलों का होगा मुफ्त ईलाज

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कस्बे के फुलरई गांव में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां भोले बाबा का सत्संग चल रहा था। बताया गया है कि सत्संग समाप्त होने के बाद यहां से जैसे ही भीड़ निकलना शुरू हुई तो भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह कुचलते चले गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई लोगों की मौत होने की आशंका है। घायलों को मेडिकल कॉलेज एटा भेजा गया है, अब तक 27 लोगों की मौत की खबर है। जिनके शव एटा मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जबकि कुल मृतकों की संख्या 120 बताई जा रही है। जिनके शव अलीगढ़ भेजे गए हैं। वहीं सीएम योगी ने भी हादसे का संज्ञान लिया है। एटा के एसएसपी राजेश कुमार सिंह के मुताबिक जिस वक्त भगदड़ हुई उस समय हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कस्बे में धार्मिक आयोजन चल रहा था। एटा अस्पताल में अब तक 27 शव आ चुके हैं, जिनमें 23 महिलाएं, तीन बच्चे और एक पुरुष शामिल हैं। अभी घायल अस्पताल नहीं पहुंचे हैं। आगे की जांच की जा रही है। इन 27 शवों की पहचान की जा रही है।

हादसे की चश्मदीद ने बयां किया भयावह मंजर- हादसे को अपनी आंखों से देखने वाली युवती ने बताया कि सत्संग में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। सत्संग समाप्त हुआ उसके बाद लोग वहां से जाने लगे। इसी दौरान निकलने की जल्दी में भगदड़ मच गई। लोग एक दूसरे को देख ही नहीं रहे थे। महिलाएं और बच्चे गिरते चले गए। भीड़ उनके ऊपर से दौड़ रही थी। कोई बचाने वाला नहीं था। चारों ओर चीख-पुकार मची हुई थी।

एटा मेडिकल कॉलेज लाए गए घायल- हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ के दौरान कई लोग घायल हुए हैं। सभी को उपचार के लिए एटा मेडिकल कॉलेज लाया गया है। एटा मुख्य चिकित्सा अधिकारी उमेश त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी नगर विक्रांत द्विवेदी, कोतवाली नगर अरुण पवार सहित तमाम पुलिस प्रशासन के अधिकारी मेडिकल कॉलेज में मौजूद हैं। हाथरस भगदड़ की घटना पर उत्तर प्रदेश के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि जिन लोगों की जान गई उनके परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। घायलों का मुफ्त इलाज किया जाएगा।

घटना को लेकर मोदी ने योगी से बात की

मोदी ने लोकसभा में कहा कि इस समय चर्चा के बीच अभी मुझे एक दुःखद खबर भी दी गई है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई भगदड़ में अनेकों लोगों की दुःखद मृत्यु की जानकारी आ रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की इस हादसे में जान गई है, मैं उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं, मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। मैं इस सदन के माध्यम से सभी को ये भरोसा देता हूं कि पीड़ितों की हर तरह से मदद की जाएगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुए दुःखद हादसे से मन अत्यंत व्यथित है। इस दुर्घटना में जान गँवाने वाले लोगों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ। ईश्वर उन्हें यह कष्ट सहने की शक्ति दें। स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। लोकसभा नेता राहुल गांधी का कहना है, सरकार को संवेदनशील होकर लोगों की मदद करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा दुःख प्रकट किया- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उत्तर प्रदेश के हाथरस हादसे पर गहरा दुःख प्रकट किया है। उन्होंने कहा है कि हाथरस में हुई दुर्घटना हृदय विदारक है। इस हादसे में दिवंगत हुए लोगों को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि, दिवंगतों के परिजनों को प्रभु इस दुःख को सहने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को इस पर सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और घायलों को तुरंत मदद मुहैया करानी चाहिए। इसकी जांच होनी चाहिए कि यह हादसा क्यों हुआ और यह भगदड़ क्यों मची, इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की है। यह सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी थी, वहां एंबुलेंस मौजूद होनी चाहिए थी।

प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए खुलेंगे महिला पिंक थानेः शर्मा

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों को जल्द पूर्ण कराएं

राजमिस्त्रियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था कराएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी जिला मुख्यालयो में महिला पिंक थाने खुलेंगे। इस संबंध में विभागीय तैयारी की जा रही है। इसके लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय बैठक में महिला पिंक थाने शुरू करने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह थाने महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 258 सड़कों की प्रगति की समीक्षा की। ये सड़कें पिछले 5-6 वर्षों से माओवादी गतिविधियों और सुरक्षा के अभाव में अपूर्ण थीं। उन्होंने इन सड़कों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए। उप

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्व सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपलोड करने और स्वयं का भी एप्लिकेशन बनाने कहा। उन्होंने रीपा में मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित समिति की जांच के बारे में जानकारी ली और स्व सहायता समूहों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को सीजीआईटी के अगले शिक्षण सत्र से प्रारंभ के लिए आवश्यक तैयारी शीघ्र पूरी करने और नोडल अधिकारी की नियुक्ति के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को तेजी पूर्ण कराने के लिए राजमिस्त्रियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड को प्रशिक्षण में शामिल किया जाए। ऐसे आईटीआई जहां मेशन ट्रेनिंग के लिए पद नहीं है, ववहां मेहमान प्रवक्ता से प्रशिक्षण का कार्य करवाया जाए। उन्होंने शासकीय आदर्श आईटीआई कोनी बिलासपुर की मरम्मत पर भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में जनमन योजना के तहत बन रहे प्रधानमंत्री आवास, मानव दिवस सृजन, प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर, महतारी सदन, और तीन हजार से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों में मास्टर प्लान बनाने, हमर छत्तीसगढ़ योजना को पुनः शुरू करने सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की।

राहुल के 'हिंदू' वाले बयान पर मोदी का पलटवार

हिंदुओं को सोचना होगा कि ये संयोग है या प्रयोग की तैयारी

नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा आज एक गंभीर विषय पर आपका और देशवासियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कल जो संसद में हुआ, देशवासी इसे सदियों तक माफ नहीं करेंगे। 131 साल पहले स्वामी विवेकानंदजी ने शिकागो में कहा था कि मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से आता हूं जिसने पूरी दुनिया को सहिष्णुता और वैश्विक स्वीकृति सिखाई है। विवेकानंदजी ने शिकागो में हिंदू धर्म के लिए दुनिया के दिग्गजों के सामने कहा था। हिंदू के कारण ही भारत की विविधता पनपी है और पनप रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, आज हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की साजिश हो रही है। षड़ंयत्र हो रहा है। ये कहा गया हिंदू हिंसक होते हैं। ये हैं आपके संस्कार, ये है आपकी सोच, ये है आपका चरित्र। इस देश के हिंदुओं के साथ ये कारनामे। ये देश शताब्दियों तक इसे भूलने वाला नहीं है। कुछ दिन पहले हिंदुओं में जो शक्ति की कल्पना है, उसके विनाश की घोषणा की गई थी। आप किस शक्ति के विनाश की बात करते हैं। ये हिंदुस्तान सदियों से शक्ति की उपासना करता है। ये बंगाल मां काली की उपासना करता है।

इन्होंने हिंदू आतंकवाद के शब्द को गढ़ने की कोशिश की। इनके साथी हिंदुओं की तुलना मलेरिया से करें और ये लोग तालियां बजाएं, ये देश कभी माफ नहीं करेगा। एक सोची-समझी रणनीति के तहत इनको पूरा ईकोसिस्टम हिंदुओं का मजाक उड़ाना, उन्हें नीचा दिखाना, उस सिस्टम ने इसे फैशन बना दिया है। ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है। हमारे देवी-देवताओं का अपमान 140 करोड़ देशवासियों के दिलों को गहरी चोट पहुंचा रहा है। कर लीजिए राजनीतिक स्वार्थ के लिए। ईश्वर के रूपों का इस तरह से खेल। सदन के कल के दृश्यों को देखकर हिंदू समाज को भी सोचना होगा कि अपमान करने वाले ये बयान संयोग हैं या कोई प्रयोग की तैयारी है। ये हिंदू समाज को सोचना पड़ेगा।

संतोष ने राहुल से पूछा, जो जम्मू कश्मीर में बम फोड़ते रहे वो कौन से समाज से हैं?

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद संतोष पांडेय ने हिंदुओं को हिंसक, नफरती और असत्यवादी कहे जाने पर राहुल गांधी पर मंगलवार को लोकसभा में जमकर हमला बोला। श्री पांडेय ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए सवाल किया कि हिन्दुस्तान में हिंसा कौन फैला रहा है? राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान हिन्दू समाज को हिंसक कहा था। श्री पांडेय ने राहुल गांधी के कथन पर कड़ी आपत्ति जताई। भाजपा सांसद श्री पांडेय ने मंगलवार को चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि राहुल गांधी ने जो शुरुआत की है, हिंदुत्व और हिंदू को लेकर तथा भाजपा के लोगों को जो हिंसक कहा है, उस परिप्रेक्ष्य में राहुल गांधी कुछ प्रश्न के जवाब दें।

लोक अदालतों में प्रकरणों का हो अधिक से अधिक निराकरण : सिन्हा

राजीनामा योग्य प्रकरणों का हो अधिक से अधिक निराकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की अध्यक्षता में आगामी 13 जुलाई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी तथा न्यायाधीश, छत्तीसगढ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति न्यायमूर्ति श्री संजय के. अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, सचिव, फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, सीजेएम, लेबर जज बैठक में शामिल हुए।

बैठक में मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने सभी न्यायाधीशों से आगामी नेशनल लोक अदालत में सिविल, आपराधिक एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकित कर निराकृत किये जाने के

निर्देश दिये। उन्होंने न्यायालयों में 5 वर्ष एवं 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित राजीनामा योग्यप्रकरणों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं, विद्युत वितरण कंपनियों, बीएसएनएल, बीमा कंपनियों एवं अन्य के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्री-लिटिगेशन आवेदनों के पक्षकारों की प्री-सिटिंग करा अधिक-से-अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों के निराकरण की आवश्यकता बताई ताकि ऐसे मामले न्यायालय में संस्थित होने से पहले ही निराकृत हो जाये। उन्होंने कहा कि पक्षकारों की सहमति से एवं विधि अनुसार अधिक-से-अधिक राजीनामा योग्य मामलों का निराकरण करने के लिए लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी का यथोचित प्रयास अपेक्षित है।

मुख्य न्यायाधिपति ने उच्चतम न्यायालय में 29 जुलाई 2024 से 03 अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत के आयोजन की महत्वपूर्ण पहल पर उच्चतम न्यायालय द्वारा छत्तीसगढ राज्य से संबंधित चिन्हांकित प्रकरणों में राजीनामा की संभावनाओं पर राज्य के समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की और समस्त प्रधान जिला न्यायाधीशों को निर्देशित किया कि विशेष रूचि लेकर पक्षकारों को नोटिस तामीली करा उनकी प्री-काउंसिलिंग इत्यादि हेतु समुचित कार्यवाही करें और सतत् निगरानी करें। बैठक में न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश, छत्तीसगढ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ने भी ज्यादा से ज्यादा संख्या में मामलों को चिन्हांकित कर उन्हें विधि अनुसार निराकृत करने पर जोर दिया। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2024 हेतु निर्धारित कैलेण्डर अनुसार आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई 2024 को किया जा रहा है। यहां यह उल्लेखनीय होगा कि लोक अदालत उच्च न्यायालय से लेकर तहसील न्यायालयों के साथ साथ राजस्व न्यायालयों में भी आयोजित किये जाते हैं।

अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन @2047 की रूपरेखा तैयार

मनेंद्रगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया था । इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को टीम इंडिया के रूप में एकजुट होकर काम करने लिए लिए कहा है । इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ के वित्त एवं योजना मंत्री ने 2024-25 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि 2047 तक छत्तीसगढ़ को भी विकसित राज्य बनाया जाएगा।इसके लिए एक विजन डॉक्यूमेंट अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन/@2047 तैयार किया जाएगा जो 01 नवंबर 2024 को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश की जनता को समर्पित किया जाएगा। इस विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने की जिम्मेदारी राज्य नीति आयोग को सौंपी गई है।विकसित भारत की परिकल्पना में राष्ट्र का आर्थिक और सामाजिक समावेशी विकास का स्तर पर्यावरणीय तरीकों से विश्व के अन्य विकसित देशों के समकक्ष लाने का लक्ष्य है। वित्त एवं योजना मंत्री ने सभी विधानसभा सदस्यों से आग्रह किया है कि वे अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन/@2047 विजन डॉक्यूमेंट के संबंध में अपना सुझाव राज्य नीति आयोग को प्रेषित करें या पोर्टल मोर सपना मोर विकसित छत्तीसगढ़ के माध्यम से अपना सुझाव दें।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत राष्ट्रीय स्तर पर हुआ सम्मानित

कोंडागांव। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत सभी छूटे हुए लोगों का आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के साथ तैयार किया जा रहा है। इसी कड़ी में 4 जुलाई को आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु महाअभियान चलाते हुए आयुष्मान कार्ड से छूटे हुए हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सभी कोंडागांव नगर पालिका सहित सभी नगर और ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके सिंह ने आयुष्मान कार्ड से वंचित सभी हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपना राशन कार्ड एवं आधार कार्ड लेकर अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन या ग्राम पंचायत सचिवों से संपर्क कर 4 जुलाई को आयुष्मान महाअभियान में अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकतें हैं।

कलेक्टर की त्वरित कार्यवाही से दिव्यांग हेमबाई को मिली स्मार्ट श्वेत छड़ी

धमतरी। जिले के आमजनों की समस्याओं, मांग, शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी निरंतर प्रयास करतीं आ रहीं हैं। ऐसे ही एक आवेदन धमतरी विकासखण्ड के ग्राम रांवा की शत-प्रतिशत दृष्टिबाधित दिव्यांग श्रीमती हेमबाई साहू ने बीते दिन जनदर्शन में प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर सुश्री गांधी ने आवेदिका को तत्काल स्मार्ट श्वेत छड़ी प्रदाय करने के निर्देश समाज कल्याण विभाग को दिए। समाज कल्याण की ओर से कलेक्टर द्वारा आवेदिका को अपने हाथों श्वेत छड़ी प्रदाय किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वे दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने पहल करें।

एसबीआई बैंक द्वारा ग्राम बरगाही में किया पौधरोपण

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर बैंकर्स द्वारा जिले में पौधरोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा द्वारा राजनांदगांव विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला बरगाही में पौधरोपण किया गया। सभी ने पौधरोपण कर पौधों की सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक वरूण शुक्ला, सहायक संचालक शिक्षा संगीता राव, शाखा प्रमुख वजीर कुरैशी, उप सरपंच मनीष साहू सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पदोन्नति पहले हो, बाद में युक्तियुक्तकरण: प्रदेश शिक्षक फेडरेशन

कवर्धा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन ने सेवा भर्ती पदोन्नति नियम 2019 के तहत सभी शिक्षक संवर्ग के पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही को विद्यार्थियों के हित में बताया है। फेडरेशन के अनुसार, मार्च 2020 की स्थिति में प्राचार्य के 2820 पद रिक्त थे, जो सेवानिवृत्ति के कारण और बढ़ गए हैं। ञ-संवर्ग में 2013 और श्र-संवर्ग में 2016 से प्राचार्य पदोन्नति नहीं हुई है। व्याख्याता के 9622 रिक्त पदों की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है, जो सेवानिवृत्ति के कारण और अधिक हो गई है। प्रधानपाठक मिडल स्कूल के 5715, शिक्षक के 15969 और प्रधानपाठक प्राथमिक शाला के 20678 रिक्त पदों पर भी यही स्थिति है। फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी और जिला अध्यक्ष कबीरधाम प्रमोद शुक्ला ने कहा है कि अध्ययन और अध्यापन की गुणवत्ता के लिए प्राथमिक, माध्यमिक, हाई और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में कक्षावार दर्ज संख्या के अनुसार विषय शिक्षकों की पदस्थापना आवश्यक है। अत: शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों को पदोन्नति द्वारा भरे जाने के बाद ही युक्तियुक्तकरण करना उचित होगा। उन्होंने बताया कि पदोन्नति के पश्चात ही शालावार अतिशेष शिक्षकों की वास्तविक स्थिति का आंकलन किया जाना चाहिए। अन्यथा, अनेक विद्यालय विषय शिक्षक/शिक्षक विहीन हो जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय में 5 कक्षाएं और 4 विषय, पूर्व माध्यमिक में 3 कक्षाएं और 6 विषय, हाई स्कूल में 2 कक्षाएं और 6 विषय तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हिंदी और अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त कॉमर्स संकाय के 3 विषय, कला संकाय के 3 विषय और गणित/बायलॉजी के 3 विषय के 5 कक्षाओं में अध्यापन होता है, जोकि संकाय अनुसार न्यूनतम है। कक्षाओं की संख्या दर्ज संख्या पर निर्भर करती है। फेडरेशन का कहना है कि छात्रहित के दृष्टिगत स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों का निर्धारण पदोन्नति से पदस्थापना करने के बाद किया जाना चाहिए। पहले पदोन्नति फिर युक्तियुक्तकरण की नीति निर्धारण होना शिक्षक और शिक्षार्थी हित में होगा।

महतारी वंदन योजना से बेहतर भविष्य की बंधने लगी आस

धमतरी। महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बीते मार्च माह से महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना से महिलाएं लाभान्वित होकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं हैं। योजनांतर्गत प्रतिमाह एक हजार रूपये महिलाओं के बैंक खाते में सीधे अंतरित होने से प्रदेश की महिलाओं के मन में बेहतर भविष्य की आस बंधने लगी है।

योजना से लाभान्वित हुई सहेली संघ स्व सहायता समूह धमतरी की सदस्य श्रीमती हेमा साहू ने बताया कि उनके साथ श्रीमती ललिता साहू, श्रीमती राशि साहू, श्रीमती संतोषी साहू, श्रीमती रमा सेन, श्रीमती सविता, श्रीमती अनिता यादव सहित उनकी समूह की अन्य महिलायें कलेक्टोरेट के पास कम्पोजिट भवन में कैंटिन का संचालन करती है। इन महिलाओं ने राज्य सरकार की इस कल्याणकारी योजना की सराहना करते हुए कहा कि मध्यम व निम्न वर्ग के परिवार की महिलाओं के लिए यह योजना आर्थिक मजबूती का आधार बन गयी है। वे इस योजना से मिलने वाली राशि के उपयोग से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। योजना से महिलाएं निजी जरूरतों, घरेलू आवश्यकताओं व दैनिक उपयोग की चीजों की खरीदी एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हुई है।

समूह की महिलाओं को हर महीने मिल रही राशि

श्रीमती हेमा साहू ने बताया कि वह एक गृहिणी है और उन्हें पिछले 4 माह से योजना के तहत राशि प्राप्त हो रहा है, जिसका उपयोग वे घरेलू खर्चों में करती है। योजना लागू होने के पूर्व उन्हें अपनी घरेलू आवश्यकताओं कां पूर्ति के लिए अपने पति पर निर्भर रहना पड़ता था। अब प्रत्येक माह इस योजना की राशि उनके खाते में जमा होने से अब उन्हें छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है। योजना से मिल रही राशि से वह अपने बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा दे पा रही हैं। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी कर रही है।

श्रीमती हेमा ने यह भी कहा कि इससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास की एक नई उमंग का संचार हुआ है। महिलाओं को आर्थिक संबलता प्रदान कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाने हेतु श्रीमती हेमा और उनकी समूह की महिलाओं ने प्रदेश सरकार के मुखिया श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सहृदय धन्यवाद दिया।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की

खाद बीज के लिए किसानों को न हो परेशानी, गांवों में जाकर लें उपलब्धता की जानकारी: कलेक्टर

बेमेतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज कलेक्ट्रेट के दिशा सभाकक्ष में जिले के कार्यों की समीक्षा करने समय सीमा बैठक ली। समय सीमा की बैठक आमतौर पर सरकारी कार्यों की समीक्षा और शासन के योजनाओं की प्रगति की जांच के लिए आयोजित की जाती है। बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से शासकीय कार्यों के कामकाज की रिपोर्ट ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

और विकास कार्यों की प्रगति, सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन, और समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल वाजपेयी, सर्व एसडीएम, सर्व जनपद सीईओ, सर्व सीएमओ सहित जिला के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी निर्माण एजेंसियों के धीमी कार्य प्रगति पर नाराजगी जताई और समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के सड़कों के किनारे पौधारोपण के निर्देश दिए। साथ ही सभी अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर उपयुक्त स्थल देखकर पौधारोपण करने को कहा। उन्होंने मरम्मत योग्य शाला भवनों की जानकारी ली और प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिलाधीश ने 4 जुलाई को होने वाले शाला प्रवेश जिला स्तरीय कार्यक्रम के संबंध में जानकारी ली और कहा की सभी ड्यूटीवार अपने अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगे साथ ही उक्त स्थल पर पौधारोपण भी करेंगे, इस दौरान उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम अच्छे से करने के निर्देश दिए। आगामी मानसून के मद्देनजर कलेक्टर ने बाढ़ और जलजमाव की समस्याओं से निपटने के लिए तैयारियों का जायजा लिया और बाढ़ आपदा के पहले मॉक ड्रिल कर सतर्क रहने के आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा की सप्ताह में सभी जनपद, नगरीय निकाय और विभागवार प्लान तैयार करें कि नदी किनारे बसे गांवों में आपदा से निपटने के लिए क्या तैयारी की गई है। जिलाधीश ने राजीव युवा मितान योजना की प्रगति की जानकारी ली और अगले तीन दिवस के भीतर सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश जनपद सीईओ को कहा। बैठक में कलेक्टर ने कृषि के लिए खाद बीज वितरण, महतारी वंदन और पीएम किसान सम्मान निधि योजना में आधार का केवायसी और भूमि सीडिंग कराने की स्थिति की जानकारी लेकर संबंधीत अधिकारी से कहा कि सभी महिला हितग्राही और किसानो का केवायसी और सीडिंग कराएं, ताकि योजनाओ का लाभ तुरंत मिले। खादबिज़ की जानकारी देते हुये कृषि अधिकारी ने बताया की जिले में जिले में 97 प्रतिशत खादबिज़ प्राप्त हुई है।

भाजपा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

जगदलपुर। सांसद राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाते हुए दिए गए विवादित बयान के विरुद्ध में मंगलवार को जगदलपुर के गोल बाजार चौक में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा पुतला दहन किया गया जिसमे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयान की जितनी निंदा की जाए,उतनी कम है, उन्होंने जानबूझ के हिंदू समाज की भावनाओं को आहत किया है। हिंदू हिंसक है ये बयान भारत की आत्मा पर वार है।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर खैरागढ़ थाना प्रभारी लाइन अटैच

राजनांदगांव। अपने ही मातहत एक आरक्षक के साथ कथित मारपीट के मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के आरोप में आईजी दीपक झा ने खैरागढ़ के थाना प्रभारी अनिल शर्मा को लाईन अटैच कर दिया है। टीआई शर्मा को ऐसे वक्त में लाईन अटैच किया गया, जब समूचे रेंज में नए कानून उत्सव मनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि खैरागढ़ में पदस्थ आरक्षक प्रकाश मोहिले का खैरागढ़ के कुछ युवाओं के साथ विवाद हुआ था। आरक्षक पर युवाओं ने हाथ भी छोड़ दिया । इस मामले को लेकर आरक्षक ने थाना प्रभारी को जानकारी दी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

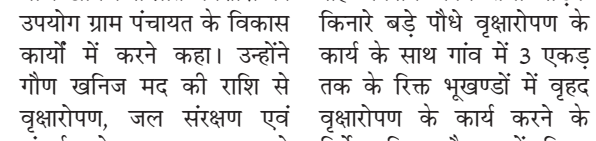

गौण खनिज रायल्टी वाले गांव अब आदर्श ग्राम के रूप में होगा विकसित: सीईओ

राजनांदगांव। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में गौण खनिज रायल्टी राशि के उपयोग के संबंध में ग्राम पंचायत सरपंच व सचिव की बैठक ली। बैठक में राजनांदगांव जिले की 15 ग्राम पंचायत, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की 1 ग्राम पंचायत एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले की 4 ग्राम पंचायतों के सरपंच व सचिव शामिल हुए।

सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने कहा कि गौण खनिज रायल्टी राशि वाले गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने गौण खनिज से प्राप्त धनराशि का उपयोग ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में करने कहा। उन्होंने गौण खनिज मद की राशि से वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं संवर्धन, पेयजल उपलब्ध कराने से संबंधित कार्य, घाट निर्माण, पचरी निर्माण, भूमि संरक्षण, सड़क निर्माण एवं मरम्मत तथा पुल-पुलिया निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत सुरूचित सिंह ने भारत शासन एवं राज्य शासन के प्राथमिकता वाले कार्यो की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान के तहत जल संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता से करें। उन्होंने ओडीएफ प्लस गांव के निर्माण पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में परक्यूलेशन टैंक, सोख्ता गड्ढा का निर्माण, फेल बोरवेल को इन्जेक्शन वेल के माध्यम से वाटर रिचार्ज, गांव की शासकीय भवन में पूर्व से निर्मित वाटर हार्वेस्टिंग का जीर्णोद्धार, सफाई कार्य, चारागाहों में वृक्षारोपण-सह फेंसिंग कार्य तथा सड़क किनारे बड़े पौधे वृक्षारोपण के कार्य के साथ गांव में 3 एकड़ तक के रिक्त भूखण्डों में वृहद वृक्षारोपण के कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की दुकानों की जांच

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर के मार्गदर्शन में वर्षा ऋतु में संक्रमित खाद्य पदार्थ की संभावना को ध्यान में रखते हुए, सोमवार और मंगलवार दो दिनों में अंबिकापुर में चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से जिला अस्पताल के पास लगाने वाले ठेले और होटल का निरीक्षण किया गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरआर देवांगन ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस निरीक्षण में साफ-सफाई, पीने का पानी और खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार के खाद्य रंग का उपयोग ना किए जाने हेतु विक्रेताओं को निर्देशित किया गया।

गैस सिलेण्डर की डिलीवरी के साथ उपभोक्ता को रसीद भी उपलब्ध कराएं कंपनियां

रायपुर। घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों के सुरक्षित उपयोग और भण्डारण के लिए प्रशासन पूरी तरह सजग है। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर मंगलवार को इस संबंध में जिले की शासकीय एवं निजी गैस वितरण कंपनियों के प्रतिनिधियों और वितरकों की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में हुई। जिला प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर कीर्तिमान राठौर ने बैठक की अध्यक्षता की और निर्देश दिए।

बैठक में गैस वितरण कंपनियों को सुरक्षा के निर्धारित सभी मानकों का पूरी तरह पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। इसी तरह व्यासायिक गैस उपभोक्ता को सिलेण्डर डिलीवरी करने पर उसकी रसीद भी अनिवार्यत:

कंपनियों को उपभोक्ताओं के अधिकार और उनकी सहुलियतों के लिए जरूरी सभी इंतजाम भी सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में अपर कलेक्टर ने घरेलू एवं व्यावसायिक गैस उपभोक्ताओं को कंपनी द्वारा उपभोक्ता कार्ड भी अनिवार्यत: जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि व्यावसायिक रूप से गैस की आपूर्ति करने पर कार्ड में रिकॉर्ड दर्ज किया जाए। कार्ड में रिकॉर्ड दर्ज नहीं करने पर गैस की आपूर्ति अवैध मानी जाकर संबंधित कंपनी के प्राधिकारी और वितरक के साथ-साथ उपयोग कर्ता के विरूद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी गैस वितरकों से पिछले चार महीनों में व्यावसायिक गैस सिलेण्डरों की डिलीवरी देने के निर्देश दिए ताकि रिकॉर्ड संधारित किया जा सके और विपरित परिस्थितियों में उसकी पहचान आसानी से की जा सके। इसके साथ ही अपर कलेक्टर ने जिले के सभी व्यावसायिक गैस उपभोक्ताओं को संबंधी लिखित जानकारी भी वितरकों से तलब की है। बैठक में खाद्य विभाग के अधिकारियों सहित रायपुर जिले में कार्यरत सरकारी गैस कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम कंपनी सहित समांतर निजी गैस कंपनी के प्रतिनिधि थे। रायपुर जिले में एक सौ किलो या उससे अधिक एलपीजी गैस के सिलेण्डर एक साथ रखने वाले हॉटल-व्यावसायिक संस्थानों को अब सुरक्षा की दृष्टि से विस्फोटक सुरक्षा लाइसेंस लेना होगा।

चिकित्सक दिवस पर डाक विभाग ने किया सेवाभावी डॉक्टरों का सम्मान

बिलासपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के विशेष अवसर पर आज भारतीय डाक विभाग बिलासपुर संभाग के द्वारा विभिन्न स्तर पर शहरी व सुदूर ग्रामीण में अपनी निरन्तर सेवाऐं दे रहे चिकित्सकों का सम्मान किया गया। डाक विभाग की जनसंपर्क निरीक्षक सुनीता द्विवेदी ने बताया कि इसी क्रम में जन स्वास्थ्य सहयोग अस्पताल गनियारी में देश विदेश से आकर नि:शुल्क सेवाए देने वाले चिकित्सकों एवं डॉक्टर होतचंदानी का आभार एवं धन्यवाद किया गया।

जनदर्शन में कलेक्टर शर्मा ने सुनी लोगों की समस्याएं मिले 46 आवेदन

बेमेतरा। कलेक्ट्रेट में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले 46 आवेदको ने अपनी समस्याओं, मांगो और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर ने जनदर्शन में आम जनता की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग को तुरंत निर्देश जारी किए। इस जनदर्शन में लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं, जैसे पानी, बिजली, सड़क, और सरकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दों को उठाया। कलेक्टर ने अधिकारियों को इन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से करने का आदेश दिया। जनदर्शन का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करना और सरकारी सेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जनदर्शन मे आने वाले सभी लोगों की समस्या और उनके समाधान का निराकरण भी किया जाता है। आज के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और

नागरिकों की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से करने के दिए निर्देश

संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही निराकरण किए गए।

आज के जन चौपाल में 46 आवेदन विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित थे जिन्हे संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण हेतु भेजा गया। जन चौपाल में दूरदराज के गांवों से अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुँचे लोगों में से तहसील बेरला के ग्राम मोहभट्ठा के समस्त ग्रामवासी ने आम रास्ता को मरम्मत करने के संबंध में आवेदन दिया।

तहसील बेमेतरा ग्राम खंडसरा के निवासी मदीना बेगम ने महतारी वंदन योजना के अंतर्गत राशि प्रदाय करने के संबंध में आवेदन दिया। तहसील बेमेतरा ग्राम कुसमी निवासी नीरा वर्मा ने ग्राम कुसमी के वार्ड नं. 04 गली का रास्ता बंद होने के संबंध में आवेदन दिया। तहसील नांदघाट ग्राम टेमरी निवासी कुंजबिहारी साहू ने बटवारे की जमीन का हिस्सा न मिलने के संबंध में आवेदन दिया।

तहसील साजा ग्राम बासीन के समस्त ग्रामवासी ने आम रास्ता (कृषि कार्य हेतु आने जाने वाले रास्ते) पर किये जा रहें अतिक्रमण को रोकने तथा आम रास्ता सुलभ करने के संबंध में आवेदन दिया। इसी तरह नाली के गंदा पानी की नकासी के संबंध में तहसील बेमेतरा के ग्राम तेलईकुड़ा के समस्त ग्रामवासीयों ने आवेदन दिया, तहसील थानखम्हरिया ग्राम किरकी निवासी सतन वर्मा ने सोनूग्राफी कराने के संबंध में, अतिक्रमण हटाने, नामांतरण करने, आर्थिक सहायता प्रदान करने आदि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

इस अवसर पर एडीएम अनिल वाजपेयी, डिप्टी कलेक्टर दिव्या पोटाई सहित संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

आईईडी विस्फोट एवं फाईरिंग में शामिल 9 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। थाना जगरगुण्डा क्षेत्र से दो अलग-अलग प्रकरणों में आईईडी विस्फोट एवं फाईरिंग में शामिल 9 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें 4 नक्सली डीएकेएमएस सदस्य कुंजाम रामा, बारसे बिच्चेम, मिलिशिया सदस्य कुंजाम जोगा व कुंजाम भीमा 26 जून को पुलिस वाहन को आईईडी विस्फोट करने की घटना में शामिल थे, जिसमें 201 वाहिनी कोबरा के 2 जवान शहीद हुए थे। दूसरी कार्रवाई में गिरफ्तार 5 नक्सली पुनेम सुक्का, मिडियम देवा उर्फ एंगा पांडू, भोगाम मल्ला, मिलिशिया सदस्य मुचाकी भीमा और तामू नंदा जगरगुंडा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मंडीमरका एवं गोंदपल्ली के मध्य 6 जून को सुरक्षा बलों पर फायरिंग करने की वारदात में शामिल थे। सभी गिरफ्तार नक्सली थाना जगरगुण्डा क्षेत्र के निवासी है।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर खैरागढ़ थाना प्रभारी लाइन अटैच

राजनांदगांव। अपने ही मातहत एक आरक्षक के साथ कथित मारपीट के मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के आरोप में आईजी दीपक झा ने खैरागढ़ के थाना प्रभारी अनिल शर्मा को लाईन अटैच कर दिया है। टीआई शर्मा को ऐसे वक्त में लाईन अटैच किया गया, जब समूचे रेंज में नए कानून उत्सव मनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि खैरागढ़ में पदस्थ आरक्षक प्रकाश मोहिले का खैरागढ़ के कुछ युवाओं के साथ विवाद हुआ था। आरक्षक पर युवाओं ने हाथ भी छोड़ दिया । इस मामले को लेकर आरक्षक ने थाना प्रभारी को जानकारी दी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। टीआई शर्मा ने मामले को दबाने के लिए आरक्षक पर आरोपियों का स्थानीय होने का हवाला देकर समझौता करने की सलाह दी गई। आरक्षक अपने साथ हुए मारपीट से आहत था। उन्होंने कार्रवाई नहीं करने पर आगे शिकायत करने की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि आईजी के अलावा यह मामला अन्य शीर्ष नेताओं तक चला गया। बताया जा रहा है कि टीआई लगातार समझौता कराने के प्रयास में थे। यह जानकारी आईजी तक पहुंची। आईजी ने सीधे टीआई को लाईन अटैच कर दिया।

अपराधियों के लिए स्वर्ग बनी राजधानी: कन्हैया

रायपुर। प्रदेश की राजधानी की शांत फिजा में लगातार जहर घुल रहा है । नई सरकार आने के बाद शायद ही ऐसा कोई दिन बिता हो जिस दिन लूट, चाकूबाजी, नशा , सट्टा के मामले सामने ना आए हों । अपराधी बैकअप होकर शहर के हर हिस्से में चैन लूट रहे हैं ,चाकू मार रहे हैं, हत्या कर रहे हैं जिससे शहर की जनता में डर और आक्रोश है । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह को ज्ञापन देकर शहर में कानून व्यवस्था करने की मांग की । उन्होंने कहा कि भाठागांव में बस्तर से आए छात्र की बेदर्दी से हत्या की खबरों की स्याही सुखी भी नहीं थी शैलेंद्र नगर में कारोबारी के घर घुसकर हमले का मामला सामने आ गया । हर दिन मीडिया में चोरी, लूट , नकबजनी,हत्या का प्रयास, हत्या, बलात्कार की खबरें शहर की जनता को झकझोर रही है । ऐसा प्रतीत होता है अपराधियों को संगठित रूप से संरक्षण दिया जा रहा है जिसके कारण बेखौफ हो गए हैं । पुलिस का व्यवहार नागरिकों के साथ मित्र की तरह होना चाहिए पर हो इसका उल्टा रहा है । हमने बनाया है हम ही सवारेंगे का नारा देने वाली सरकार किसको संवारने में लगी है यह चिंतन का विषय है । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह ने विश्वास दिलाया कि अपराध की जड़ नशे के खिलाफ कार्रवाई के साथ अब अड्डेबाजों से सख्ती से निपटने कार्रवाई की जाएगी, किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा । ज्ञापन देने गए प्रतिनिधि मंडल में कन्हैया अग्रवाल, सुरेश बाफना, संतोष बाघमार, शरद गुप्ता, मुकुंद कागदेलवार ,मनोज पाल ,पिंटू बैद,राजेश त्रिवेदी शामिल थे ।

विगत दिनों युवती की हत्या मामले में यादव समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन की न्याय और मुआवजे की मांग

गौरेला। गौरेला के भीड़भाड़ वाले जगह पर 26 जून को दिनदहाड़े गौरेला के झगराखांड की युवती रंजना यादव की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है, आज यादव समाज के लोगो ने गौरेला के संजय चौक से एसडीएम कार्यालय तक पैदल रैली निकालकर पहुचे और एसडीएम को राज्यपाल मुख्यमंत्री व गृहमंत्री के नाम ज्ञापन सौपते हुए आरोपी को फाँसी देने के साथ मृतिका के परिजनों को मुआवजा व घर के एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग की है। ज्ञात हों की 26 जून को गौरेला के भीड़भाड़ वाले एसबीआई बैंक के पास दिन दहाड़े युवती की चाकू मारकर हत्या करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आज यादव समाज के लोगो के द्वारा गौरेला के संजय चौक से पैदल रैली निकालकर पुलिस थाना होते हुए सैकड़ो यादव समाज के लोग तहसील चौक होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुचे इस दौरान समाज के लोगो के द्वारा नारेबाजी करते हुए रंजना के हत्यारे को फाँसी दो का नारेबाजी करते रहे, जहा पर समाज के लोगो ने एसडीएम पेण्ड्रारोड़ को ज्ञापन सौंपा है जिसमे उन्होंने रंजना यादव की दिन दहाड़े हुए हत्या के मामले में दोषी युवक को फाँसी देने पीड़ित परिवार को मुआवजा राशि 1 करोड़ रुपए व पीड़ित परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिए जाने की मांग की है। वही समाज के लोगो ने बहन बेटियों के सुरक्षा को लेकर भी सवालिया निशान उठा रहे है। वही मामले में एसडीएम पेण्ड्रारोड का कहना है समाज के लोगो के द्वारा ज्ञापन दिया गया है मामले में शासन को उनका ज्ञापन भेजा जाएगा। यादव समाज और ग्रामीणों ने आकर ज्ञापन सौंपा है जिसमें उनके द्वारा मृतिका को न्याय और मुआवजे सहित परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी देने की मांग की गई है, इस ज्ञापन को शासन को भेज दिया जाएगा।

10 लाख के ईनामी महिला व पुरूष नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा । जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नीयद नेल्ला नार योजना तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते दबाव के परिणामस्वरूप नक्सली संगठन में कोंटा एरिया कमेटी में सक्रिय 1 महिला सहित 02 नक्सलियों सोड़ी गजेन्द्र उर्फ हड़मा पिता स्व. हुंगा (कोंटा एरिया कमेटी सदस्य/एर्राबोर सिविल ऑर्गनाईजेशन कमाण्डर, ईनामी 05 लाख रूपये) निवासी वीराभट्टी थाना भेजी जिला सुकमा एवं महिला नक्सली सोड़ी मंजूला उर्फ मड़कम मंजूला पति कमलेश पिता स्व. सोड़ी हुंगा (कोण्टा एरिया कमेटी सदस्या/पोलमपल्ली एलओएस कमाण्डर/ सिविल ऑर्गनाईजेशन कमाण्डर, ईनामी 05 लाख रूपये) निवासी करीगुड़म थाना चिंतागुफा जिला सुकमा ने आज मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में सूरजपाल वर्मा, उप महानिरीक्षक (परि.) सीआरपीएफ रेंज कोंटा एवं किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। दोनों आत्मसमर्पित नक्सलियों को कपड़ा एवं प्रोत्साहन राशि 25-25 हजार रूपये प्रदाय किया गया, तथा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराये जायेंगे। आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में जिला पुलिस बल, डीआरजी सुकमा एवं 50, 219 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का प्रयास रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित 05 लाख के ईनामी नक्सली सोड़ी गजेन्द्र उर्फ हड़मा पिता हुंगा वर्ष 2014-15 तक वीरारभट्टी सीएनएम सदस्य, वर्ष 2016-19 माह मई तक कोण्टा एरिया कमेटी जनताना सरकार पार्टी सदस्य, वर्ष 2019 जून से 2022 माह अप्रैल तक कोण्टा एरिया कमेटी अन्तर्गत कोण्टा एलओएस जनमिलिशिया कमाण्डर/पार्टी सदस्य, 2022 माह मई से अब-तक कोण्टा एरिया कमेटी सदस्य/एर्राबोर सिविल ऑर्गनाईजेशन कमाण्डर, धारित शस्त्र इंसास रायफल। जिसके द्वारा ग्राम भेजी में वर्ष 2020 में पुलिस कर्मी पर हमला करने की वारदात में शामिल, ग्राम मुरलीगुड़ा- वर्ष 2020 में मुरलीगुड़ा कैम्प के पास आईईडी लगाने की वारदात में शामिल, ग्राम मिनपा एम्बुश वर्ष 2020 में मिनपा में पुलिस गस्त पार्टी पर घात लगाकर फायरिंग करने की की वारदात में शामिल, ग्राम गलगम एम्बुश (पामेड़ क्षेत्र बीजापुर) वर्ष 2021 को पुलिस-नक्सली एम्बुश की वारदात में शामिल रहा, उक्त घटना में 02 नक्सली सदस्य घायल हुए थे।ग्राम कसालपाड़ मुठभेड़ वर्ष 2022 में टीसीवोसी के दौरान ग्राम कसालपाड़ के जंगल में पुलिस गस्त पार्टी पर फायरिंग करने की की वारदात में शामिल, पालाचलमा और गट्टापाड़ मुठभेड़ वर्ष 2022 में माह अक्टूबर में ग्राम पालाचलमा एवं गट्टापाड़ के मध्य जंगल में पुलिस पार्टी पर पिछाकर फायरिंग करने की की वारदात में शामिल,ग्राम कोत्ताचेरू- वर्ष 2022 में गोरखा-कोत्ताचेरू के मध्य पीकअप वाहन से सिलेण्डर गैस को लूट-पाट करने की की वारदात में शामिल रहा। आत्मसमर्पित 05 लाख की ईनामी महिला नक्सली सोड़ी मंजूला उर्फ मड़कम मंजूला वर्ष 2002 माह मई से 2002 माह जुलाई तक कोण्टा दलम सदस्या, वर्ष 2002 माह अगस्त से 2004 माह जुलाई तक प्लाटून नंबर 04 का पार्टी सदस्या, वर्ष 2004 माह अगस्त से 2009 माह जुलाई तक कम्पनी नंबर 01 पार्टी सदस्या, वर्ष 2009 माह अगस्त से 2016 माह नवम्बर तक कम्पनी नम्बर 06 की सदस्या, वर्ष 2016 माह दिसम्बर से 2021 माह जनवरी तक कोण्टा एरिया कमेटी सदस्या, वर्ष 2021 माह फरवरी से अब तक कोण्टा एरिया कमेटी अन्तर्गत पोलमपल्ली एलओएस/कमाण्डर सिविल ऑर्गनाईजेशन कमाण्डर। अंतिम धारित शस्त्र एसएलआर रायफल। जिसके द्वारा ग्राम भेजी और इंजरम कैम्प के बीच एम्बुश की घटना वर्ष 2003 में भेज्जी और इंजरम कैम्प के बीच एनएच 30 मार्ग पर रोड़ ओपनिंग पार्टी पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने की की वारदात में शामिल। ग्राम जारागट्टा (जिला नारायणपुर) एम्बुश की घटना- वर्ष 2007 में ग्राम जारागट्टा के पास मोटर सायकल से आने वाले पुलिस जवानों पर एम्बुश लगाकर फायरिंग की की वारदात में शामिल रही। कोंगेरा एम्बुश (जिला नारायणपुर) वर्ष 2010 में टीसीओएस के दौरान ग्राम कोंगेरा के पास पुलिस गस्त पार्टी पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने की की वारदात में शामिल, जिसमें 02 नक्सली मारे गये थे।

राहुल ने संसद में हिन्दू को हिंसक नहीं बताया, भाजपाई कर रहे दुष्प्रचार

रायपुर। संसद में दिए गए राहुल गांधी के भाषण पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उन्होंने हिंदू को हिंसक नहीं बताया है. उनके खिलाफ भाजपाई दुष्प्रचार कर रहे हैं. दरअसल, भाजपा और आरएसएस का इतिहास हिंसा और डराने का रहा है. कांग्रेस ने हमेशा सर्वधर्म, अहिंसा और भाईचारा की बात की है. इसे भी पढ़ें = सांसद संतोष पांडेय ने संसद में राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर बोला हमला, कहा- तुम्हारा लहजा बता रहा है, तुम्हारी दौलत नई-नई है

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा और संघ का राष्ट्रवाद भारतीय परम्परा का नहीं है.

भाजपा का राष्ट्रवाद मुसोलिनी और हिटलर का राष्ट्रवाद है. हमारा राष्ट्रवाद गांधीजी और संतों का दिखाया राष्ट्रवाद है. उन्होंने कहा कि भाजपा की सत्ता विरोधियों को दबाने का प्रयास करती रही है. मोदी सरकार आज नीट के मामले में मौन है, और इस पर चर्चा नहीं करना चाहती.

भूपेश बघेल ने कहा कि पहली बार संसद में भाजपा की सरकार बैकफुट पर आई. हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व भाजपा नहीं करती है . भाजपा का रास्ता षड्यंत्र, हिंसा, नफरत का रास्ता है. यह रास्ता देश की जनता का हो ही नहीं सकता है. भाजपा राहुल गांधी के बयान को गलत ढंग से पेश कर रही है. उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी असल हिंदू नहीं है. क्योंकि वो तो हिंदू परंपरा का पालन ही नहीं कर रहे हैं. अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के समय मोदी सपत्नीक क्यों नहीं थे? शास्त्र में विवाहित पुरुष बिना पत्नी के पूजा नहीं करता. मां का निधन हुआ तो मुंडन भी मोदी नहीं कराए थे? हिंदू परंपरा में मुंडन अनिवार्य है.

घर में घुसकर प्रधान आरक्षक से की मारपीट, 7 आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। जिले में बदमाशों के हौसले इन दिनों इतने बुलंद हैं कि वे पुलिस पर भी हमला करने से नहीं चूक रहे हैं. दरअसल, बीती रात ग्राम दतिमा के बीच चौक पर कुछ युवक बर्थडे के नाम पर हुड़दंग मचा रहे थे. इसी दौरान जब करंजी थाने पदस्थ जब प्रधान आरक्षक समय लाल ने उनको समझाया तो हुड़दंग मचा रहे दबंग युवकों का झुंड पुलिस से ही भीड़ गया. लेकिन किसी तरह वहां मामला शांत हो गया. इसके बाद जब हवलदार अपने घर विश्रामपुर पहुंचा तो उसके पीछे एक दर्जन से ज्यादा हुड़दंगी उसके घर पर पहुंच आये और हवलदार पर हमला कर दिया. इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर झूमा झपटी हुई. इस घटना के बाद

मामले की शिकायत हवलदार समयलाल ने विश्रामपुर पुलिस से की. जिसपर बलवा सहित अन्य धाराओं के तरह अपराध दर्ज किया. मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. वहीं फरार अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है. मामले पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एमआर अहीर ने कहा कि किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा. चाहे वह कोई भी हो और किसी भी तरह का कोई राजनीति दबाव नहीं है.

शत-प्रतिशत बच्चों को शिक्षा से जोड़ेः कश्यप

नारायणपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज नारायणपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मुंह मीठा कराकर शाला प्रवेश कराया और तिलक चंदन लगाकर आत्मीय स्वागत किया। श्री कश्यप ने इस मौके पर विद्यार्थियों को गणवेश एवं पाठ्यपुस्तक प्रदान किया।

शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशा के अनुरूप स्कूल जाने योग्य शतप्रतिशत बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ-साथ प्रदेश के लोगों का निरंतर विकास सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि जिले के हर गांवों में विद्यालय खोला गया है। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह नारायणपुर जिले के बच्चों के प्रतिभा को निखारने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप लोग भविष्य के निर्माता हैं। जिले के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के प्रतिभा को निखारने के लिए खेल खेल में शिक्षा और स्मार्ट क्लास रूम का भी स्थापित किया जा रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप - जिले के शिक्षक विहिन शालाओं में शिक्षक की व्यवस्था भी किया जा रहा है। जिले के एक भी बच्चे शिक्षा से वंचित न रहे इसके लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर श्री बिपिन मांझी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों के शाला में प्रवेश लेने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

संसद में राहुल के द्वारा हिंदुओ पर की गई टिप्पणी को लेकर भाजयुमो ने जलाया पुतला

गौरेला। भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के आवाहन पर भाजयुमो जीपीएम के द्वारा कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का गौरेला के संजय चौक में पुतला दहन किया गया और जमकर नारेबाजी की गई! कांग्रेस के नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन में हिंदुओ को हिंसक बताया था जिसके विरोध में भाजपा युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के निर्देश पर जीपीएम जिले में युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकुर गुप्ता और महामंत्री सिद्धार्थ दुबे के नेतृत्व में राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया और जमकर नारेबाजी की गई! पुतला दहन का कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री राकेश चतुर्वेदी ने कहा की कांग्रेस पार्टी ने देश में लोकतंत्र की हत्या करने काम किया और राहुल गांधी हिंदुओ को हिंसक बोल रहे है इससे कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आ है! प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष बृजलाल सिंह राठौर ने कहा की राहुल गांधी को पहले हिंदुत्व को जानना चाहिए फिर कोई बयान बाजी करनी चाहिए, इस अवसर पर भाजपा कोषाध्यक्ष मुकेश दुबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए! इस अवसर पर तापस शर्मा, पवन पैकरा, संतोष तिवारी, विभा नाहरेल, कांति दुबे, रमेश तिवारी, राजकुमार रोहणी, शिव शर्मा, सौरभ बंका, गौरव शर्मा, दीपक शर्मा, रजनीश तिवारी, दुर्गेश यादव, विपुल बंसल, प्रखर नामदेव, विक्की मिश्रा, करन साहू, अमन दुबे, अभिषेक जायसवाल, विक्रम राठौर, मानस अग्रवाल, महेश राठौर, चंद्रमोहन नामदेव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे!

नगर पंचायत गौरेला के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री एवम उप मुख्यमंत्री से की भेंट!

गौरेला. गौरेला नगर पंचायत अध्यक्ष गंगोत्री गोवर्धन राठौर उपाध्यक्ष संदीप जयसवाल एवम पार्षद दल ने प्रदेश के सरल,सौम्य मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवम उप मुख्यमंत्री अरूण साव से सौजन्य भेंट की। सर्वप्रथम गौरेला नगर पंचायत का उन्नयन नगर पालिका करने हेतु राजपत्र में अंतिम प्रकाशन हेतु निवेदन किया। नगरपंचायत गौरेला में स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण, खेल सुविधा विस्तार हेतु लघु इनडोर स्टेडियम, लोहराझोरकी स्थित गार्डन के उन्नयन एवम मूलभूत सुविधा हेतु मांग पत्र सौंपा। सीएम एवम उपमुख्यमंत्री के द्वारा मांगो को पूरा करने का आश्वासन दिया गया। पार्षद दल ने कोटा छेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रबल प्रताप जूदेव से उनके निवास में जाकर मुलाकात की। उन्होंने गौरेला नगरपंचायत एवम गौरेला पेंड्रा से ऐतिहासिक लीड दिलाने हेतु आभार जताया। प्रबल प्रताप जूदेव ने पार्षद दल को छेत्र की प्रत्येक समस्या के निदान हेतु दृढसंकल्पित होकर प्रयास करने की बात कही।

लंबित राजस्व प्रकरणों पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

धरसींवा तहसीलदार और नायब तहसीलदार को शो-कॉज नोटिस

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने धरसींवा तहसील कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे। कलेक्टर ने राजस्व के लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताई और धरसींवा तहसीलदार व नायब तहसीलदार को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य में लापरवाही पर रीडर के वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए और पटवारी के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह आज धरसींवा तहसील में राजस्व प्रकरणों की विस्तृत जानकारी ली और पंजी-अभिलेख का अवलोकन किया। लंबित प्रकरणों की सिलसिलेवार जानकारी ली। कलेक्टर ने फाइलों को देखा और अधूरे दस्तावेज संलग्न होने पर नाराजगी जताई।

कलेक्टर ने खुद कार्यालय के आलमारी को खोलकर फाइलों की पड़ताल की। इस दौरान भारी कमियां मिलने पर धरसींवा तहसीलदार श्री जयेंद्र सिंह और नायब तहसीलदार संदीप सिंह राजपूत को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही रीडर दिलीप घोष और मिथिलेश ध्रुव के वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के तहत पटवारी प्रतिवेदन नहीं देने पर उरला पटवारी दिलीप नायक के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी रिकॉर्ड दुरूस्त किया जाए और राजस्व प्रकरणों की कार्रवाई जल्द सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकरणों में लेट-लतीफी न की जाएं। आम नागरिकों के आवेदनों की सुनवाई कर जल्द से जल्द निराकरण किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद व एसडीएम नंदकुमार चौबे भी उपस्थित थे।

प्लास्टिक का उपयोग: जानलेवा बीमारी के चपेट में लोग

पृथ्वी पर मानव ने अपनी सुविधा के लिए नवनवीन आविष्कार किये, परंतु जरूरत से ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हुआ, साथ अपने सुख के लिए मानव प्रकृति के साथ खिलवाड़ करके पृथ्वी को नष्ट करने पर तुला है, जबकि पृथ्वी पर मानव अस्तित्व के साथ ही सम्पूर्ण जीवसृष्टि के लिए भी धोखा निर्माण हो गया है, तेजी से बदलता जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित कारणों का नतीजा है। अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान हृहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूटहृ की रिपोर्ट ने बताया कि 2021 में 81 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, भारत में 21 लाख और चीन में 23 लाख मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है, मौतों का यह आंकडा बहुत ही ज्यादा है। वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ई-कचरा, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, घातक रसायनों का प्रयोग, लाखों लोगों को हर साल घातक बीमारियों से जकड़कर असमायिक मौत दे रहे हैं। प्रदुषण से पशु-पक्षी, वन्यजीव, समुद्रजीव तेजी से खत्म हो रहे हैं। पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण इस तरह से बढ़ा है कि अगर आज पूरे विश्व में प्लास्टिक बंदी हो जाए तो भी हजार साल उसका अस्तित्व वातावरण में नजर आयेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि आज के वर्तमान युग में हम रोज प्लास्टिक खा रहे हैं, पी रहे हैं और प्लास्टिक मिश्रित ऑक्सीजन ले रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, हर साल प्रति व्यक्ति संभावित रूप से 11,845 से 193,200 माइक्रोप्लास्टिक्स ग्रहण करता है, जो 7.7 ग्राम से 287 ग्राम प्रति व्यक्ति के बीच होता है, इसका सबसे बड़ा जरिया हमारा पीने का पानी है। क्रिश्चियन चैरिटी समूह टियरफंड द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि विकासशील देशों में हर 30 सेकंड में एक मौत के लिए प्लास्टिक कचरा जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं ने पाया कि हर साल चार लाख से दस लाख लोग कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के संपर्क में रहने के कारण कैंसर जैसी घातक बीमारियों से मरते हैं। प्लास्टिक कचरे से हर साल 100 मिलियन समुद्री जीव मरते हैं, हर साल 100,000 समुद्री जीव प्लास्टिक में उलझने से जान गवांते है। गर्म खाद्य पदार्थों के लिए प्लास्टिक का प्रयोग जहर जैसा है क्योंकि जैसे ही प्लास्टिक का गर्म खाद्यपदार्थों से संपर्क होता है, तो प्लास्टिक अपने जहरीले रसायनों को छोड़ता है, जो खाद्यपदार्थों में मिलता है और उस खाद्य पदार्थों को खाकर इंसान जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है, इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण के द्वारा मौतों में लगातार वृद्धि हो रही है। प्लास्टिक में मौजूद जहरीले रसायन मानव शरीर में हार्मोन गतिविधि को बदल सकते हैं, प्लास्टिक में मौजूद विघटनकारी रसायन बांझपन, मोटापा, मधुमेह, प्रोस्टेट या स्तन कैंसर, थायरॉयड समस्याओं, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। प्लास्टिक की थैलियों को फोटोडिग्रेड होने में लगभग 300 साल और कुछ प्लास्टिक को हजार साल तक लग जाते हैं। वे छोटे-छोटे जहरीले कणों में टूट जाते हैं जो मिट्टी और जलमार्गों को प्रदूषित करते हैं और जब जानवर, पशुपक्षी या समुद्रीजीव गलती से ये प्लास्टिक खा लेते हैं, तो वे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। प्लास्टिक को जलाने से उन्हें खत्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि जलाने पर वे वायुमंडल में जहरीली गैसें छोड़ते हैं जो वायु प्रदूषण का कारण बनती हैं। हर साल ३ जुलाई को दुनियाभर में जनजागृति के लिए ₹अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस₹ मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम ₹व्यक्तियों, व्यवसायों और संगठनों को प्लास्टिक के अन्य स्थायी विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें₹ यह है, प्लास्टिक के उपयोग और अपशिष्ट को कम करने के लिए नीतिगत परिवर्तनों और प्रणालीगत समाधानों पर जोर दें। प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बने होते हैं, प्लास्टिक खाद्य भंडारण पैकेज में जहरीले रसायन होते हैं, प्लास्टिक उत्पादन के दौरान जहरीले रसायन निकलते हैं। साल 2050 तक महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक कचरा अधिक होगा। हर साल दुनिया भर में करीब 500 बिलियन प्लास्टिक बैग इस्तेमाल किए जाते हैं, यह बहुत ज्यादा बैग हैं। दुनिया भर में हर सेकंड 160,000 प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है, जिनका जीवनकाल लगभग 12 से 25 मिनट है। दुनिया भर में हर मिनट लगभग दस लाख प्लास्टिक पेय की बोतलें बेची जाती हैं, प्यू चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्ययन 2022 अनुसार, हर साल 11 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक समुद्र में प्रवेश करता है, जो पानी में मिलकर खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है। ईए की रिपोर्ट के अनुसार, भारत एमडब्ल्यूआई में चौथे स्थान पर है, जहां 98.55 प्रतिशत उत्पन्न कचरे का कुप्रबंधन किया जाता है। भारत में प्लास्टिक कचरे का उत्पादन पिछले पांच वर्षों में चार गुना हो गया है। सरकार का कहना है कि देश का 60% प्लास्टिक कचरा रिसाइकिल किया जाता है, जबकि सीपीसीबी डेटा पर आधारित सीएसई डेटा के मुताबिक, भारत अपने प्लास्टिक कचरे का केवल 12% ही रिसाइकल कर पाता है। भारत देश में एकल उपयोग प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबंध है, बहुत बार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं महानगर पालिका या नगर निगम द्वारा दुकानों, कारखानों पर छापा मारकर प्लास्टिक थैलियों का अवैध माल जप्त किया जाता है। परंतु हम सभी जानते है कि पाबंदी के बावजूद बड़ी मात्रा में प्लास्टिक थैलियों का अवैध व्यापार और उपयोग धड़ल्ले से जारी है। दुकानदार के मना करने के बावजूद ग्राहक भी प्लास्टिक थैलियों की मांग करते है, ऐसे लोगों की बेवकूफी का खामियाजा अन्य लोगों और पर्यावरण को भुगतना पड़ता है, जिससे मासूम जीवों की जान भी चली जाती है। बहुत बार हमें रास्ते, दुकान, स्ट्रीट वेंडर्स किराना दुकान, होटल, सब्जी भाजी फल वाले, खाद्यपदार्थ विक्रेता, छोटे-मोटे दुकानदार की तरफ बैन प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल नजर आता है। थैलियां इस्तेमाल हो रही है मतलब, ऐसी अवैध प्लास्टिक थैलियों का उत्पाद शुरू है। पृथ्वी पर मानव अस्तित्व और जीवसृष्टी को बचाना है तो, प्लास्टिक का इस्तेमाल तुरंत बंद करना होगा, प्लास्टिक के अन्य पर्याय का अनुकरण करके पर्यावरण की रक्षा करनी होगी। लोग प्लास्टिक का अधिक उपयोग करने के आदी हो गये हैं। आलस और स्वार्थवृत्ति छोड़कर कपड़े या कागज की थैलियों का उपयोग करें, पैसे से ज्यादा प्रकृति को प्राधान्य दें। कानून और सरकारी नीति नियमों का पालन करें। कचरा निर्मित न हो या कम हो इसका ध्यान रखें। हर वस्तु के पुनर्चक्रण के बारे में सोचें। प्लास्टिक पैक खाद्य उत्पादों को खरीदने से बचें। एकल उपयोग वाले डिस्पोजेबल प्लास्टिक मना करें। बाहर प्लास्टिक पानी की बोतल खरीदने के बजाय घर से स्टील की बोतल लेकर निकलें। आज से 20-25 साल पहले जब खाद्य पैकेज का ट्रेंड नहीं था, किराना दुकान में खाद्य तेल खरीदने के लिए घर से केतली बर्तन लेकर जाते थे क्योंकि तब तेल के पैकेट नहीं आते थे, किराना सामान समाचार पत्रों की रद्दी के कागज में बांधकर देते थे क्योंकि तब प्लास्टिक की थैलियों नहीं मिलती थी। दूध कांच की बोतल में या घर के किसी बर्तन में लेकर आते थे। एक बात हमेशा याद रखो कि ढूंढने से सौ बहाने मिलेंगे लेकिन मेहनत से हर बात संभव होती है। 2008 में, छोटा सा गरीब देश रवांडा दुनिया के उन पहले देशों में से एक बन गया, जिसने सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग और बोतलों पर प्रतिबंध लगा दिया, इस देश में प्लास्टिक की वस्तु के साथ पकड़े जाने पर छह महीने जेल की सजा है। सिक्किम, जो 1998 में डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला भारतीय राज्य बना, 2016 में, सिक्किम ने दो बड़े फैसले लिए, इसने सरकारी कार्यालयों और सरकारी कार्यक्रमों में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। केरल के कन्नूर में 25 लाख से ज्यादा लोगों ने प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दिया, ताकि यह दक्षिण भारत का पहला प्लास्टिक-मुक्त जिला बन सके। एक साल के भीतर, कन्नूर जिले में 40 लाख प्लास्टिक कैरी बैग कम हो गए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दूरदराज के गांव सादिवाड़ा में, ग्राम पंचायत के मुखिया ने पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक-मुक्त कहलाने वाला पहला गांव बनाने की एक अनूठी पहल शुरू की। असम के एक मॉडल स्कूल में छात्रों को स्कूल फीस के तौर पर हर सप्ताह 25 प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र करके लाना होता है, ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। मेघालय के मावलिननॉन्ग गांव के पास स्थित दावकी झील को 2003 में एशिया का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। स्वच्छता के प्रति बेहद जागरूक ग्रामीणों ने प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। जनवरी 2020 में केरल के कुमारकोम पहला प्लास्टिक-मुक्त पर्यटन स्थल बन गया। प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए पहल हम सबको मिलकर करनी होगी ताकि आनेवाली पीढ़ी के लिए यह जीवसृष्टि स्वच्छ हरीभरी बनी रहें।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगी। आज आपके चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज आपको कोई शुभ सूचना मिलने की संभावना है। आज आप उत्साह और ऊर्जा से परिपूर्ण रहेंगे। आज अपनी कोई पर्सनल बात किसी के साथ डिस्कस करने से बचें। व्यापार में आपको अपने सहयोगियों की हेल्प मिलेगी ज्यादा से ज्यादा लाभ होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सिर्फ सूझबूझ और कुशलता से अपने कार्यों को करने की जरुरत है। वर्तमान समय में आपने जो नई नीतियां बनाई है, उनसे आपको काफी लाभ मिलने वाला है। इस समय बीमा अथवा निवेश संबंधी कोई प्लान कर रहे हैं, तो वह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगी। आज किसी काम में बड़ो की सलाह मिलेगी, जिससे आपको लाभ मिलेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपको किसी कार्य को लेकर की गई मेहनत का अनुकूल परिणाम मिलने वाला है। घर में कोई धार्मिक कार्य संपन्न हो सकता है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हे मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किया गये काम में आपको सफलता मिलेगी। आज के दिन आप दूसरों से अपना काम निकलवाने में सक्षम रहेंगे। टेक्सटाइल का काम करने वालों को आज अच्छा लाभ होगा। लवमेट आज कहीं घूमने जाएंगे।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्त्व मिलेगा। पहले से चल रही किसी समस्या से राहत मिल सकती है। आज आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ अपने कार्यों को करेंगे। अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे। प्रयास करने पर कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। इस राशि की महिलाये अपना बिजनेस स्टार्ट कर सकती है। जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचें, सोच समझकर ही अपने काम करें।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में बहुत अधिक जिम्मेदारियां और काम का बोझ रहेगा। आज आपको आलस करने से बचना चाहिए। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने कार्यों को पूरा करने में लगे रहेंगे। इससे बॉस आपसे प्रसन्न होगे। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर विश्वास करने से बचें। माता जी आपसे कुछ फरमाईस कर सकती है जिसको पूरा करने पर वह खुश होंगी। आज आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय रहने वाला है।

कन्या राशि-आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रोपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाएं बनेगी। अगर कोई कानूनी समस्या चल रही है तो आज उसका समाधान मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति अथवा राजनीतिज्ञ के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा। छात्रो को किसी प्रतियोगी परीक्षा के परिणाम अनुकूल मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपका किसी इंटरव्यू में सलेक्शन होगा अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको कोई उपलब्धि हासिल होगी, लोग आपको बधाई देंगे। आज आपका व्यापारिक दृष्टिकोण हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करेगा। अगर सरकारी अथवा कोर्ट के संबंधी कोई मामला फंसा हुआ है तो आज उसमें सफलता मिलने की संभावना है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपके कार्य सफल होंगे। आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनायेंगे। शिक्षकों की मेहनत और लगन को देखकर लोगों के बीच सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल मिलेगा। आज आप नया वाहन खरीदने का मन बनायेंगे। विद्यार्थियों को अपनी सोच में और अधिक सकारात्मकता लाने की जरूरत है। आज आपका कोई रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीको पर विचार करेंगे। आज भाई-बहन के बीच चल रही अनबन खत्म हो जाएगी, आपसी रिश्ता मजबूत बनेगा। आज आप बच्चों के साथ अपना समय बिताएंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज का दिन पारिवारिक सुख-शांति में वृद्धि लेकर आएगा। आज आपके आपकी कार्यकुशलता और योग्यता की सराहना होगी। आज अपने करियर और पढ़ाई को लेकर सजग रहेंगे। रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों का रुझान बढ़ेगा। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है, पदोन्नति होने के योग बन रहे हैं।

मकर राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक सुखों में वृद्धि लेकर आएगा। युवाओं को अपनी नौकरी से संबंधित किसी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। कोई कीमती उपहार भी मिल सकता है। स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी आज दूर होगी आप एनर्जेटिक रहेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन शानदार रहने वाला है, जीवनसाथी से उपहार मिलेगा। लवमेट आज कहीं घूमने जाएंगे। छात्र आज कम्प्यूटर सीखने का मन बनाएंगे।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपका कार्य करने का और सफलता हासिल करने का जुनून आपको कामयाबी देगा।इंश्योरेंस और कमीशन के बिजनेस में विशेष सफलता मिलेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज किसी मनचाहे प्रोजेक्ट पर कार्य करने का मौका मिलेगा। आपके बेटे का अच्छी जगह चयन होने से परिवार में उत्सव का माहौल बनेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ा कार्य आगे बढ़ेगा। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा, एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अगर किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। ये निवेश आने वाले दिनों में बेहतर फायदा देने वाला रहेगा। आज घर के लोगों के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार विमर्श करेंगे। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी करीबी रिश्तेदार से मिलने का अवसर मिलेगा।

संपादकीय

सेंगोल की जगह संविधान का मतलब क्या है...

राजनीति में उस मुद्दे का बड़ा महत्व होता है जिस मुद्दे से राजनीतिक दल को बड़ा फायदा होता है और भविष्य में भी राजनीतिक फायदा होने की उम्मीद रहती है। कांग्रेस व इंडी गठबंधन को संविधान के मुद्दे पर पिछले लोकसभा चुनाव में उम्मीद से ज्यादा फायदा हो गया। भले ही यह फायदा कुछ ही राज्यों में हुआ हो..इससे कांग्रेस की ताकत दोगुनी हो गई तो यूपी में सपा को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली।इससे दस साल बाद विपक्ष दो सौ के पार हुआ है।विपक्षी गठबंधन के लिए संविधान ऐसा ही मुद्दा साबित हुआ है।सविधान के मुद्दे पर विपक्ष राजनीतिक रूप से मजबूत हुआ है , इसलिए वह इसे अगले पांच साल विपक्ष का प्रमुख मुद्दा बनाए रखना चाहता है। यही वजह है कि संसद में सेंगोल की जगह संविधान की प्रति रखने की मांग की गई। सपा के सांसद रूपकुमार चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिककर मांग की है कि संसद में सेंगोल की जगह संविधान की प्रति रखी जाए। इस पर भाजपा व विपक्ष के सांसदो के बीच विवाद शुरू हो गया है। भाजपा की तरफ से कहा गया है कि सेंगोल तो भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। इसे हताने की मांग करना महान तमिल संस्कृजि का अपमान है। वहीं विपक्ष के लोगों का कहना है कि देश में राजतंत्र नहीं है, इसलिए संसद में राजदंढ रखने की जरूरत नहीं है. इसे तो संग्रहालय में रखा जाना चाहिए। यानी कि विपक्ष चाहता है सेगोल को जहां से लाया गया था वहीं वापस रख दिया जाए। संसद का नया भवन बना था तो पीएम मोदी ने सेंगोल की खोज करवा कर उसे संसद में स्थौपित किया था कि हमारी भारतीचय परंपरा में जब सत्ता हंस्तातरण होता था तो सत्ता ग्रहण करने वाले को सेगोल दिया जाता था. माना जाता है कि जब अंग्रेजों ने सता का हस्तांतरण किया था सेंगोल पीएम जवाहर लाल नेहरू को सौंपा था। कालांतर में सेंगोल को संग्रहालय मे रखु दिया गया और इसे भुला दिया गया। सेंगोल को संसद में इसलिए स्थापित किया गया है कि इससे हमें याद रहे कि अब देश में सत्ता हमारी है. देश में सत्ता जनता की है।संविधान से भी हमें यही एहसास होता है कि इस देश में हमारा कानून चलता है। यहा हमारा शासन है।देखा जाए तो संगोल भी वही याद दिलाता है जो संविधान हमें याद दिलाता है। लेकिन कुछ लोग सेंगोल का विरोध इसलिए कर रहे है कि इसे पीएम मोदी ने संसद में मंगाकर स्थापित किया है। मोदी विरोधी जब भी इसे देखेंगे तो उन्हें याद आएगा कि इसे तो पीएम मोदी ने संसद में स्फापित किया था।इसलिए वह संसद में सेंगोल की हटाने की मांग कर रहे हैं और खुद को संविधान का सबले बड़ा रक्षक बताने के लिए सेंगोल की जगह संविधान का प्रति रखने की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी व विपक्ष को मोदी को संविधान विरोधी बताने से चुनाव में फायदा हुआ है, इसलिए वह सोचते हैं कि अगले पांच साल मोदी को संविधान विरोधी प्रचारित कर उनकी लोकप्रियता कम की जा सकती है। यही वजह है कि संसद में शपथ लेते वक्त विपक्षी दलों के सांसद हाथ में सविधान की प्रति लिए हुए थे। ताकि वह देश को संदेश दे सकें कि संविधान के रक्षक हम है और पीएम मोदी संविधान के विरोधी हैं। पीएम मोदी विपक्ष की इस चाल को समझ गए और 25 जून को इमरजेंसी की बरसी पर आपातकाल की याद देश को दिलाई और देश के लोगों को याद दिलाया कि देश में संविधौन का जितना अपमान कांग्रेस ने किया है, किस ने नहीं किया है।उन्होंने देश को यह भी याद दिलाया कि देश के नेताओं व लोगों के साथ आपातकालमें कितने अत्याचार किए गए थे। कांग्रेस ने सोचा नहीं था कि संविधान के मुद्दे पर पीएम मोदी इस तरह पलटवार कर सकते हैं कि कांग्रेस को कुछ कहते न बने। संसद में लोकसभा अध्यक्ष ने जब आपातकाल के विरोध में निंदा प्रसताव पेश किया तो यह भी कांग्रेस के लिए अप्रतयाशित था क्योंकि वह हल्ला करने के अलावा कुछकर नहीं सकत थी, आपातकाल का विरोध करने पर वह खुद ही संसद में एक्सपोज हो गई कि कांग्रेस तो आपातकाल का विरोध नहीं करती है। इस देश में जो भी आपातकाल का विरोध नहीं करता है, वह संविधान विरोधी माना जाता है। कुल मिलाकर पीएम मोदी ने आपातकाल के मुद्दे को उठाकर साबित किया संविधान की रक्षक होने का कांग्रेस नाटक कर रही है, उसका तो इतिहास संविधान का अपमान करने के उदाहरणों से भरा हुआ है।कांग्रेस का संविधान रक्षक वाला नरेटिव फेल हो गया तो विपक्ष की तरफ से सेंगोल के मुद्दे पर फिर संविधान के मुद्दे को नए सिरे से सामने लायाग गया है। बताने की कोसिश की जा रहीह है कि संविधन का सम्मान हम ज्यादा करते हैं।

अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया चार चरणों के डिबेट पर आई

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत नें 4 जून 2024 को अपना निर्णय सुनाया अबबारी दुनियां के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में 5 नवंबर 2024 को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसमें दो सशक्त उम्मीदवारों में चार चरणों की डिबेट की प्रक्रिया शुरू हुई है, जिसमें 27 जून 2024 को प्रथम चरण की डिबेट शुरू हुई जो भारतीय समय के अनुसार शुक्रवार सुबह 7 से 8 बजे व अमेरिकी समय के अनुसार देर रात्रि 9 बजे शुरू हुई जिसमें 64 साल के बाद इस डिबेट को टीवी स्टूडियो में आगे लाइव कराया गया। मैंने भी इस डिबेट के कुछ अंश टीवी चैनल के माध्यम से देखें जो काफी अहम महसूस हुए।यह वोटर्स के लिएबहुत सहायक सिद्ध होंगे, क्योंकि विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर डिबेट से एक पूरा विजन झलकता है और पूर्ण पारदर्शिता दिखाई पड़ती है, जिसे पूरे विश्व की मीडिया ने महसूस किया होगा। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर 2024 को जो बिडेन व डोनाल्ड ट्रंप के बीच प्रथम डिबेट संपन्न हुई दूसरी 10 सितंबर 2024 को होगी इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया चार चरणों के डिबेट पर आई तथा अमेरिकाके राष्ट्रपति चुनाव से पहलेउम्मीदवारों के बीच अहम मुद्दों पर डिबेट के आधार पर वोटर को अपनी राय बनाना सराहनीय प्रक्रिया है। साथियों बात अगर हम अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावी प्रक्रिया में चार चरणों के डिबेटको समझने की करें तो, चरण 1ः इसमें पहला चरण प्राइमरी और कॉकस चुनाव का होता है। हर पार्टी में ऐसे कई लोग होते हैं जो राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। प्रत्येक के पास सरकार के काम करने के तरीके के बारे में अपने विचार होते हैं और एक मत वाले लोग एक ही राजनीतिक दल से हो सकते हैं, यहीं पर प्राइमरी और कॉकस की भूमिका सामने आती है। प्राइमरी में पार्टी के सदस्य आम चुनाव में उनका प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार के लिए वोट करते हैं। वहीं दूसरी ओर कॉकस में पार्टी के सदस्य चचाओं और मतदान के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चयन करते हैं। प्राइमरी और कॉकस चुनाव में जो जीतता है वह दोनों पार्टियों की ओर से औपचारिक उम्मीदवार बनता है। इसके बाद प्रत्येक राजनीतिक दल के उम्मीदवार अपने पार्टी सदस्यों का समर्थन जुटाने के लिए पूरे देश में प्रचार करते हैं।राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ के औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की घोषणा के बाद शुरू होती हैअपनी-अपनी पाटीर्के उम्मीदवार के तौर पर जीतने वाले दोनोंउम्मीदवार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ते हैं।चरण 2ः अमेरिकी चुनाव के दूसरे चरण में राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल है। प्रत्येक सम्मेलन में, राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार एक उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्येक पार्टी अंतिम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का चयन करने के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती है।वोटिंग के छह हफ्ते पहले दोनों उम्मीदवारों के बीच टीवी पर राष्ट्रपति पद के लिए तीन बार बहस होती है।गौरतलब है कि राष्ट्रपति बाइडन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच पहली बहस 27 जून को आयोजित की गई। दो और बहस होनी बाकी है।चरण 3ः तीनों बहस होने के बाद मतदान की प्रक्रिया होती है जो अमेरिका चुनाव प्रक्रिया का तीसरा चरण होता है। इस चरण में देश भर के हर राज्य में लोग एक राष्ट्रपति और एक उप राष्ट्रपति के लिए वोट करते हैं। जब लोग अपना वोट डालते हैं, तो वे वास्तव में एक ऐसे समूह के लिए वोट कर रहे होते हैं, जिन्हें इलेक्टर कहा जाता है। चरण 4ः चौथे और अंतिम स्थान पर आता है इलेक्टोरल कॉलेज। दरअसल, अमेरिका के चुनाव में इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम बेहद अहम है। यह लोगों का समूह होता है जो 538 इलेक्टर्स को चुनता है। जिसे 270 इलेक्टर्स का समर्थन मिल जाता है, वह अमेरिका का राष्ट्रपति बनता है। इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम में, प्रत्येक राज्य को कांग्रेस यानी संसद में उसके प्रतिनिधित्व के आधार पर एक निश्चित संख्या में इलेक्टर मिलते हैं। आम चुनाव के बाद प्रत्येक इलेक्टर वोट डालता है और जिस उम्मीदवार को 538 इलेक्टोरल वोट में से आधे से अधिक (270) वोट मिलते हैं, वह जीत जाता है। जीत के बाद नव निर्वाचित राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जनवरी 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। साथियों बात अगर हम 27 जून 2024 को देर रात्रि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दो उम्मीदवारों के बीच प्रथम चरण के डिबेट की करें तो मीडिया के अनुसार, अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। नवंबर में होने वाले चुनाव को लेकर मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच गुरुवार को पहली प्रेसिडेंशियल बहस हुई।दोनों ने करीब 75 मिनट तक एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाएऔर निजी हमले भी किए। राष्ट्रपति बाइडन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच दूसरी बहस 10 सितंबर को आयोजित की जाएगी। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेसिडेंशियल बहस एक अहम कड़ी मानी जाती है। इस बहस में दोनों उम्मीदवार एक-दूसरे की कमजोरियों को उजागर करने की कोशिश करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग के छह हफ्ते पहले दो प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच टीवी पर तीन बार बहस होती है। टेलीविजन पर होने वाली बहसें दशकों से राष्ट्रपति चुनावों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती रही हैं। ये मतदाताओं को उम्मीदवारों को परखने के लिए एक मंच होती हैं।

साथियों बात अगर हम 27 जून 2024 को हुई प्रथम चरण के डिबेट के परिणामों के अनुमानों की करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन गुरुवार को ट्रंप के साथ डिबेट के दौरान बोलते हुए लड़खड़ा गए थे। 81 साल के बाइडन ने कई अनोखे जवाब दिए। वह अरबपतियों और खरबपतियों में भ्रमित हुए। वहीं जब बाइडन अपनी सरकार के कोविड महामारी के दौरान उठाए कदमों का जिक्र कर रहे थे, तभी वह कुछ सेकंड के लिए लड़खड़ा गए और बोल दिया कि हमने मेडिकेयर को हराया। करीब 30 सेकंड तक समझ नहीं आया कि वह क्या बोल रहे हैं।अमेरिका के 46 वें राष्ट्रपति बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। हालांकि व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बाइडन की आवाज बहस के दौरान लड़खड़ाती नजर आई, जिससे डेमोक्रेट के शीर्ष नेता यह सोचने को मजबूर हो गए हैं कि क्या मौजूदा राष्ट्रपति चुनाव से पहले के कठिन महीनों के दौरान शीर्ष पर रह सकते हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार 78 साल के डोनाल्ड ट्रंप ने 90 मिनट की बहस के दौरान शुरूआत से ही बाइडन को कड़ी टक्कर दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की हेल्थ को लेकर कई बार सवाल उठे हैं।कभी उनकी याददाश्त को लेकर खबरें आती हैं तो कभी वह मंच पर ही सो हो जाते हैं। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप यही मुद्दा बना रहे हैं कि बाइडेन अब बुजुर्ग हो चुके हैं। प्रेसिडेंशियल डिबेट में भी बाइडेन कुछ देर के लिए फ्रीज हो गए थे तो यह मुद्दा और भी ज्यादा गर्म हो गया। अब रिपोर्ट के जरिए एक खबर सामने आ रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति 4 बजे के बाद ज्यादा थके हुए लगते हैं, वह 4 बजे के बाद काम करने में असमर्थ रहते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन दिन में 6 घंटे ही ठीक से काम कर पाते हैं। वाइट हाउस के सहयोगियों ने बताया कि 81 वर्षीय बाइडेन आमतौर पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच सबसे बेहतर काम करते हैं। इस समय सीमा के बाद या विदेश यात्रा के दौरान वह कमजोर और थके हुए लगते हैं। अब इस खबर ने फिर से बाइडेन की फिटनेस और हेल्थ को लेकर बहस छेड़ दी है।बाइडेन के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने पर बहस छिड़ गई है।बाइडेन अभी 81 साल के हैं अगर वह जीतते हैं तो उनका दूसरा कार्यकाल लगभग 86 साल में जाकर खत्म होगा। बढ़ती उम्र के कारण उनके दूसरे कार्यकाल को लेकर अब चिंताएं बढ़ने लगी हैं।डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार यह मुद्दा उठा चुके हैं। ट्रंप को जवाब देने लिए उनके पास सबसे बड़ा मौका प्रेसिडेंशियल डिबेट का था, लेकिन 90 मिनट की बहस में बाइडेन कई गलतियां करते नजर आए। ट्रंप ने इन मौकों का फायदा उठाते हुए बाइडेन के एक और कार्यकाल को पूरा करने की क्षमता पर सवाल उठाए।इस बहस के एक दिन बाद ही बाइडेन ने उत्तरी कैरोलिना में एक सभा को संबोधित किया, इसमें उन्होंने कई मुद्दों पर ट्रंप को घेरा।हालांकि उन्होंने अपनी हेल्थ को लेकर कुछ लिमिट को भी स्वीकार किया। बाइडेन ने कहा, मैं पहले की तरह आसानीसे नहीं चलता,मैं पहले की तरहसहजता से नहीं बोलता, मैं पहले की तरह बहस नहीं कर पाता, लेकिन मैं सच बोलना जानता हूं।बाइडेन ने कहा कि यदि उन्हें विश्वास न हो कि मैं पूरे दिल और आत्मा से यह कर सकता हूं तो वे दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर 2024-जो बाईडेन व डोनाल्ड ट्रंप के बीच प्रथम डिबेट संपन्न,दूसरी 10 सितंबर 2024 को होगी अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया चार चरणों के डिबेट पर आई।

सेहत

क्या लिपस्टिक में होते हैं कैंसर वाले केमिकल ये रहा जवाब

खूबसूरत दिखने की चाहत में महिलाएं ब्यूटी और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं. अधिकांश कॉस्मेटिक और ब्यूटी केयर प्रोडक्ट्स बनाने में खतरनाक केमिकल्स का इस्तेमाल होता है, जिन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल करने से हॉर्मोनल सिस्टम में गड़बड़ी, स्किन इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इतना ही नहीं इन प्रोड्क्ट्स का इस्तेमाल लंबे समय तक करने से स्किन कैंसर तक का खतरा रहता है. ऐसा ही कुछ लिपिस्टिक के साथ भी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ज्यादातर लिपस्टिक में कार्सिनोजेन्स नाम का केमिकल होता है, जिससे कैंसर होने का रिस्क ज्यादा रहता है. इतना ही नहीं ज्यादातर लिपस्टिक में क्रोमियम, लेड, एल्युमिनियम, कैडमियम और कई टॉक्सिंस पाए जाते हैं, जिनका सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

कॉस्मेटिक्स-ब्यूटी प्रोडक्ट्स में केमिकल्स

आजकल ज्यादातर कॉस्मेटिक्स और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में केमिकल का इस्तेमाल हो रहा है. लिपिस्टिक, लोशन, नेल पॉलिश, फाउंडेशन, आईशैडो और मस्कारा में पीएफएएस जैसे बेहद खतरनाक केमिकल मिलाए जाते हैं. कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स ज्यादा देर तक टिके रहे, इसके लिए उनमें कई तरह के केमिकल्स मिलाए जाते हैं, पीएफएएस यानी पॉलीफ्लूरोकाइल भी उनमें से एक है. यह कार्बन और फ्लोरीन से मिलकर बनता है, जो जल्दी नहीं टूटता है. इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल कॉस्मेटिक और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में होता है.

लिपस्टिक के साइड इफेक्ट्स

1. लिपिस्टिक में बहुत से केमिकल्स मिलाए जाते हैं, जिनका लगातार इस्तेमाल एलर्जी या इंफेक्शन को बढ़ा सकता है.
2. लिपस्टिक लगातार लगाने से होंठों का रंग काला पड़ सकता है.
3. खाने के साथ लिपिस्टिक अंदर जाकर कई बीमारी बना सकती है.
4. लिपिस्टिक में मौजूद लेड, एल्यूमिनियम, क्रोमियम, कैडमियम और मैग्नीशियम शरीर में जाकर खतरनाक बन सकता है.
5. लिपस्टिक में मौजूद एल्यूमिनियम से अल्सर जैसी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं.
6. कई महिलाएं लिपस्टिक को आईशैडो के तौर पर यूज करती हैं, इससे आंखों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है.
7. लिपस्टिक का लगातार इस्तेमाल प्रेगनेंसी में समस्या बन सकता है.
8. लिपस्टिक लंबे समय तक लगाने से किडनी भी फेल हो सकती है.

लिपिस्टिक के नुकसान से कैसे बचें

1. हर्बल लिपस्टिक चुनें.
2. लिपिस्टिक लगाने से पहले होठों पर बेस लगाएं, इसके लिए कंसीलर का यूज करें.

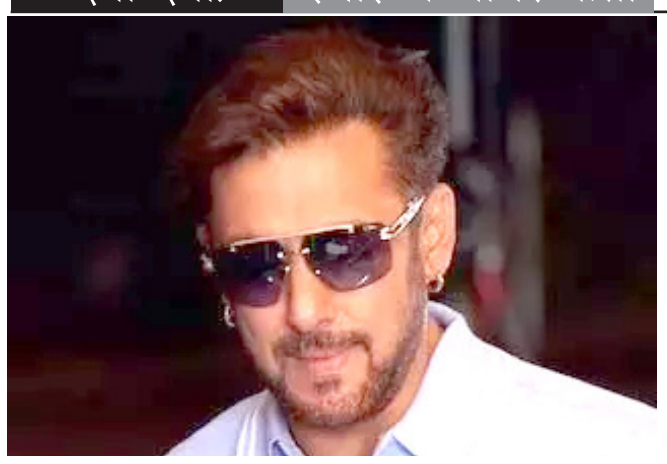

सिकंदर के सेट से लीक हुई सलमान खान की तस्वीर

सलमान खान इस समय अनुभवी RR Murugadoss द्वारा निर्देशित फिल्म सिकंदर की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने खुद कुछ समय पहले एक फोटो शेयर की थी जिसमें फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी गई थी. टाइगर 3 और किशी का भाई किशी की जान से मिले स्वागत के बाद, निर्देशक सलमान अपनी अगली फिल्म के साथ एक तीर से दो शिकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब सिकंदर के सेट से भाईजान की धमाकेदार तस्वीरें सामने आई हैं। सिकंदर कलेक्शन से लीक हुई तस्वीरों में सलमान खान का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। दोनों तस्वीरों में अंधेरा है और सलमान अपने अंदाज में खड़े हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि ये तस्वीरें सिकंदर के एक्शन सीक्वेंस में ली गई थीं जहां सलमान खलनायकों की धुलाई करते हैं। मोहम्मद सोहेल नाम के शख्स ने सलमान की फोटो एक्स पर शेयर की.

सिकंदर की रिलीज़ डेट कब है?

19 जून को सलमान खान ने निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक एआर मुरुगादॉस के साथ एक तस्वीर साझा की और कहा कि वे ईद 2025 पर 'सिकंदर' की रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग भी उसी दिन शुरू हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के हीरो सिकंदर का किरदार निभाया है. इस फिल्म में मुख्य भूमिका में रश्मिका मंदाना हैं। अफवाह है कि रश्मिका ने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है. यह सलमान और रश्मिका की पहली फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चला है कि सलमान फिल्म में कौन सा किरदार निभाएंगे।

शाहरुख को लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मिलेगा करियर अचीवमेंट अवॉर्ड

लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में शाहरुख की आइकॉनिक फिल्म 'देवदास' भी दिखाई जाएगी. वो 10 अगस्त को लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड रिसीव करेंगे. इसके अगले दिन, 11 अगस्त को शाहरुख एक पब्लिक कन्वर्सेशन का भी हिस्सा बनेंगे. फेस्टिवल के आर्टिस्टिक डायरेक्टर जियोना ए. नजारो ने बॉलीवुड सुपरस्टार को 'साहसी' आर्टिस्ट बताया.

नई दिल्ल : भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक शाहरुख खान को मिले अवॉर्ड्स और सम्मानों की लिस्ट काफी लंबी है. अब इस लिस्ट में एक और बड़ा सम्मान जुड़ने जा रहा है. अब स्वित्जरलैंड में होने वाले लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में, शाहरुख को करियर अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा. मंगलवार को इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल की वेबसाइट पर शाहरुख को सम्मानित करने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट शेयर की गई. अनाउंसमेंट में कहा गया कि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख को 'भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय करियर' के लिए ये सम्मान दिया जाएगा. शाहरुख को लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के ओपन एयर वेन्यू Piazza Grande में सम्मानित किया जाएगा. इस फेस्टिवल के करियर अचीवमेंट अवॉर्ड को Pardo alla Carriera कहा जाता है. शाहरुख से पहले ये अवॉर्ड ट्यूनीशियाई एक्ट्रेस क्लॉडिया कार्डिनेल, ब्रिटिश-फ्रेंच एक्ट्रेस जेन बर्किन और पिछले साल मलेशियन फिल्ममेकर साईं मिंग लियांग, जैसी सिनेमा शख्सियतों को दिया जा चुका है. लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में शाहरुख की आइकॉनिक फिल्म 'देवदास' भी दिखाई जाएगी. वो 10 अगस्त को ये अवॉर्ड रिसीव करेंगे. इसके अगले दिन, 11 अगस्त को शाहरुख एक पब्लिक कन्वर्सेशन का भी हिस्सा बनेंगे. लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के आर्टिस्टिक डायरेक्टर जियोना ए. नजारो ने बॉलीवुड सुपरस्टार को अवॉर्ड देने के बारे में कहा, 'शाहरुख खान जैसे लिविंग लेजेंड का लोकार्नो में स्वागत करना, सपना सच होने जैसा है. भारतीय सिनेमा में उनके योगदान की गहराई और विस्तार अभूतपूर्व है. खान एक बादशाह हैं, जो आज भी उस जनता के करीब हैं जिसने उनकी ताजपोशी की है.' नजारो ने अपने स्टेटमेंट में आगे कहा, 'ये बहादुर और साहसी आर्टिस्ट हमेशा खुद को चैलेन्ज करता रहा है और फिर भी उन उम्मीदों पर खरा उतरता रहा, जो दुनिया भर के फैन्स को उसकी फिल्मों से थीं. एक सच्चा 'जनता का हीरो', शालीन और जमीन से जुड़े हुए, शाहरुख खान हमारे दौर के लेजेंड हैं.' शाहरुख की बात करें तो उन्होंने पिछले साल इंडियन सिनेमा की दो सबसे बड़ी फिल्में 'पठान' और 'जवान' डिलीवर की हैं. 2023 में उनकी तीसरी इलीज 'डंकी' भी सुपरहिट रही थी. इसके बाद उन्होंने ऑफिशियली अपना कोई प्रोजेक्ट अनाउंस नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट्स कहती हैं कि अब वो अपनी बेटी सुहाना खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे.

'कल्कि 2898 AD' ने 600 करोड़ कमाकर पास किया मंडे टेस्ट

5 दिन में 'कल्कि 2898 AD' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन, 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुका है. ये फिल्म जिस तरह कमाई कर रही है, उससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी कमाई जल्द ही कई नए रिकॉर्ड बना देगी.

नई दिल्ली : डायरेक्टर नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 AD' ने वीकेंड में इंडिया ही नहीं विदेशों में भी कमाई के रिकॉर्ड बना डाले. प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन स्टारर इस फिल्म ने पहले ही दिन से जमकर कमाई की है. लेकिन पहले सोमवार की कमाई से ये तय होना था कि फिल्म का आगे क्या भविष्य होने वाला है. 'कल्कि 2898 AD' ने दमदार कमाई के साथ मंडे टेस्ट पार कर लिया है और अब ये फिल्म लंबे समय तक बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचाने के लिए तैयार नजर आ रही है. गुरुवार को रिलीज हुई प्रभास की फिल्म ने पहले वीकेंड में दुनिया भर में जमकर कमाई की और 555 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर डाला. लेकिन एक शानदार वीकेंड के बाद फिल्म का असली टेस्ट मंडे को था. लेकिन इस टेस्ट में 'कल्कि 2898 AD' ने अच्छे कलेक्शन के साथ परफॉर्म किया है. सैकनिल्क की एक रिपोर्ट के अनुसार, 5वें दिन प्रभास की फिल्म ने 34 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया है. संडे को आए 88 करोड़ के हिसाब से देखें तो ये करीब 60% की गिरावट है. वीकेंड में नॉर्मल से ज्यादा बड़ा कलेक्शन करने के बाद, सोमवार के कामकाजी दिन बड़ी फिल्मों में इतनी गिरावट आना बहुत नॉर्मल है. रिलीज के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को 'कल्कि 2898 AD' ने करीब 59.3 करोड़ कमाए थे, उस हिसाब से देखने पर भी फिल्म का मंडे कलेक्शन काफी बेहतर नजर आता है.

सामंथा रुथ प्रभु ने हिना खान की तारीफ की

मुंबई। मनोरंजन की दुनिया में मशहूर नाम हिना खान ने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों को तब चिंता में डाल दिया जब उन्होंने स्टेज तीन ब्रेस्ट कैंसर होने की घोषणा की। अभिनेत्री ने सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए घातक बीमारी से पीड़ित होने की पुष्टि की और गोपनीयता का अनुरोध किया। खैर, हिना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा है कि उन्होंने सकारात्मक सोच रखी है और जल्द ही इस बीमारी को मात देने का संकल्प लिया है। अभिनेत्री ने कल अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे एक पुरस्कार जीतने के बाद, वह अपनी पहली कीमोथेरेपी सेशन के लिए सीधे अस्पताल गईं। हिना ने वीडियो के साथ एक लंबा नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि कैंसर को मात देने के लिए सकारात्मकता ही उनका मंत्र होगा और वह इस बीमारी से पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर बाहर आने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। जहां अभिनेत्री को उनके जज्बे और दृढ़ता के लिए प्रशंसकों और बिरादरी के दोस्तों

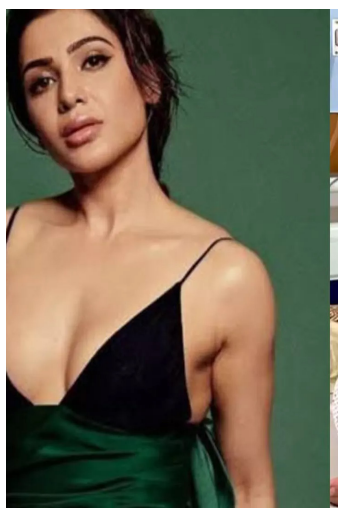

द्वारा सराहा गया, वहीं सामंथा रूथ प्रभु ने अभिनेत्री की सकारात्मकता की सराहना करते हुए उन्हें शेरनी कहकर संबोधित किया। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हिना का यह वीडियो शेयर किया। इसके बाद उन्होंने लिखा, 'तुम्हारे लिए प्रार्थना कर रही हूँ, #वॉरियर।' अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सामंथा के संदेश को फिर से पोस्ट करते हुए, हिना ने अभिनेत्री की सराहना की कि वह जीवन में आई हर चुनौती से बाहर निकल आई हैं और उन्हें 'बिल्कुल स्टार' कहा। खैर, हिना, जिन्हें आखिरी बार पंजाबी फिल्म 'शिंदा शिंदा नो पापा' में देखा गया था, ने यह भी खुलासा किया कि उनके काम की प्रतिबद्धताएँ उनके लिए बहुत मायने रखती हैं और वह अपनी बीमारी को इसमें बदलाव नहीं आने देंगी।

दिशा पटानी टैटू के कारण डेटिंग अफवाहें को दी हवा

मुंबई : दिशा पटानी ने अपने हाथ पर नए पीडी टैटू के साथ देखे जाने के बाद प्रभास के साथ डेटिंग की अफवाहों को हवा दी। दोनों को कल्कि 2898 एडी में एक साथ देखा गया था। दिशा पटानी वर्तमान में अपनी नवीनतम साइंस-फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की सफलता का आनंद ले रही हैं। भले ही वह एक महत्वपूर्ण भूमिका में देखी गई थीं, लेकिन अभिनेत्री को उनके आकर्षक प्रदर्शन के लिए प्रशंसा मिली।

हाल ही में वह तब सुर्खियों में आईं जब उनकी बांह पर 'PD' टैटू बना हुआ था। इससे ऑनलाइन अटकलें लगाई जाने लगीं और प्रशंसकों ने अनुमान लगाने की कोशिश की कि 'PD' का क्या मतलब है। कई नेटिजन्स ने अनुमान लगाया कि 'P' का मतलब प्रभास हो सकता है और इसी के साथ ऑनलाइन उनकी डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गईं। अपने टैटू के बारे में लोगों की उत्सुकता पर प्रतिक्रिया देते हुए दिशा ने लिखा, 'मेरे टैटू के बारे में इतनी उत्सुकता देखकर मैं खुश हूं! पता लगाइए कि यह खुशी किस बारे में है! #क्लाउडनाइन।'दिशा पटानी के बारे में पहले कहा जाता था कि वह टाइगर श्रॉफ को डेट कर रही हैं। कथित तौर पर दोनों अलग हो गए लेकिन उन्होंने कभी अपने रिश्ते की पुष्टि या खंडन नहीं किया।

काम के मोर्चे पर, दिशा ने 'कल्कि 2898 AD' में रॉक्सी की भूमिका निभाई, जो फिल्म में प्रभास की प्रेमिका के रूप में दिखाई देती है। 'कल्कि 2898 AD' एक सीक्वल के लिए वापस आएगी और यह खुलासा नहीं किया गया है कि दिशा अगली किस्त में दिखाई देंगी या नहीं।वह अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, राहुल देव, मुकेश तिवारी, शारिब हाशमी, इनामुलहक, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज और वृही कोडवारा के साथ 'वेलकम टू द जंगल' में भी नजर आएंगी।'वेलकम टू द जंगल' 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।वह सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना के साथ 'योद्धा' में भी नजर आई थीं।

भारतीय न्याय प्रणाली के ऊपर दृढ़ विश्वास

थुगुदीपाः भारतीय न्याय प्रणाली के ऊपर दृढ़ विश्वास, कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा की मां मीना, उनके भाई दिनाकर, उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी और उनके 15 वर्षीय बेटे विनीश ने हाल ही में बेंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में उनसे मुलाकात की। कथित तौर पर परिवार ने सोमवार (1 जुलाई) सुबह कन्नड़ अभिनेता से मुलाकात की। फिलहाल उनसे रेणुका स्वामी हत्याकांड के सिलसिले में पूछताछ की जा रही है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दर्शन अपने परिवार से मिलने के लिए उत्साहित थे। उनकी मां भी बेहोश हो गईं. एक्टर के भाई ने दोनों को सांत्वना दी. उनकी मुलाकात के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है. दर्शन से रेणुका स्वामी हत्याकांड के संबंध में पूछताछ की जा रही है। स्वामी 8 जून, 2024 को बेंगलुरु में मृत पाए गए थे। वह कथित तौर पर चित्रदुर्ग में अपोलो फार्मेसी शाखा में काम करते थे। आरोप है कि रेणुका दर्शन की दोस्त कन्नड़ एक्ट्रेस पवित्रा गोवाड को अश्लील मैसेज भेजती थीं।

दादी संग आयरा खान साड़ी में दिखीं कमाल

आमिर खान की बेटी आयरा खान अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। कभी उनके बयानों को लेकर तो कभी सोशल नेटवर्क पर उनके पोस्ट को लेकर. इरा खान अपने एक पोस्ट की वजह से फिर से सुर्खियों में हैं, जहां वह अपनी दादी के साथ पोज दे रही हैं।

दादी और पोती की ये तस्वीरें इस समय सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इन तस्वीरों में आमिर की मां जीनत हुसैन साड़ी में बेहद दरअसल, इरा खान ने अपनी दादी के साथ जो तस्वीरें शेयर की हैं, वह उनके जन्मदिन पर ली गई हैं। पिछले महीने 13 जून को आमिर खान ने अपनी मां जीनत का 90वां जन्मदिन काफी धूमधाम से मनाया था, जिसकी तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं. इस बर्थडे पार्टी में जूही चावला भी मौजूद थीं. जूही ने अपने इंस्टा अकाउंट पर इवेंट की अंदर की तस्वीर भी शेयर की, जहां उन्होंने आमिर खान और उनकी बहन के साथ कैमरे के सामने पोज दिया। हाल ही में इरा खान ने अपनी दादी की बर्थडे पार्टी की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह उनके साथ पोज देती नजर आईं।

विविध

इस तरह सलाद खाने से वजन होगा कंट्रोल

सलाद खाने का जायका बढ़ा देता है। खासतौर पर जब खाने में ज्यादा स्वाद न हो लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने के साथ सलाद खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए, जानते हैं सलाद खाने से जुड़ी दिलचस्प बातें-

आप जब खाने के साथ सलाद खाते हैं, तो आपको पूरा पोषण नहीं मिल पाता। ऐसे में जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलने के साथ ओवर इटिंग से छुटकारा भी मिलेगा।

सलाद अगर सही तरीके से खाया जाए, तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखने के साथ पेट साफ करने मे भी मदद करता है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकता है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाकर वजन नियंत्रित रखता है।

सलाद तापमान में ठंडी होता है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है, तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

ब्रेड नहीं, सूजी से तैयार करें हेल्दी बर्गर

दरदरी पिसी हुई सूजी प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती है। सूजी से तैयार होने वाला बर्गन शरीर में पोषण को बढ़ाता है और एपिटाइट को भी नियंत्रित रखता है। सूजी प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती है।

इसे बनाने के लिए हमें चाहिए

सूजी 2 कप, तेल 3 चम्मच, उबले हुए आलू 2, कटा हुआ प्याज 1/2 कटोरी, अजवाइन 1/2 चम्मच, हरी मिर्च 2 से 3 धनिया पत्ती एक मुट्ठी, जीरा 1 चम्मच, ग्रेटिड गाजर 1/2 कटोरी, मैशड पनीर 1 कटोरी, शिमला मिर्च 1 कटोरी, गरम मसाला 1/2 चम्मच, नमक स्वादानुसार

पैन में 2 चम्मच तेल डालकर जीरा भून लें और उसमें दो कप सूजी एड करके कुछ देर तक रोस्ट कर लें। सूजी रोस्ट होने के बाद उसमें आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं और कुछ देर तक हिलाते रहें। अब उसे ठंडा होने के लिए रखें। सूजी के मिश्रण में एक चौथाई कप आटा मिला दें और उसे गूंथ लें। अब सूजी को बेलकर एक बड़ी रोटी का आकार दें। गोल सांचे की मदद से सूजी को गोलाकार काट लें और उसे स्टीम होने के लिए जाली वाले बर्तन को ग्रीस करके उसके उपर रख दें। इसमें स्टफिंग के लिए दो उबले हुए आलू लें और उसमें कटा हुआ प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और स्वादानुसार नमक मिलाएं। तैयार मिश्रण में ग्रेट की हुई गाजर, पनीर और शिमला मिर्च डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इन चीजों को 1 से 2 मिनट के लिए पैन में पकाएं। स्टीम हो चुके गोलाकर दो सूजी सर्कल्स लें और उसके बीच में तैयार मिश्रण को स्टफ कर दें। अब आप चाहें, तो तवे को ग्रीस करके उस पर शेलो फ्राई भी कर सकते हैं। तैयार सूजी बर्गर को धनिए, पुदीने या इमलील की चटनी के साथ सर्व करें।

जरूरत से ज्यादा प्रोटीन सेहत पर पड़ सकता है भारी

किसी भी चीज की अति सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। आपको अपने शरीर की जरूरत के हिसाब से ही अपना डाइट प्लान बनाना चाहिए। प्रोटीन रिच डाइट लेना बेहद फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप जरूरत से ज्यादा प्रोटीन का सेवन कर लेंगे, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ को कितने सारे नुकसान झेलने पड़ सकते हैं?

हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा

हाई प्रोटीन की वजह से आपको हार्ट से जुड़ी तमाम बीमारियों का शिकार बनना पड़ सकता है। प्रोटीन की अति आपकी हार्ट हेल्थ को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है। इसलिए समय रहते आपको सही मात्रा में ही प्रोटीन का सेवन करना चाहिए।

पैदा हो सकती है कैल्शियम की कमी

ज्यादा प्रोटीन इनटेक बॉडी में कैल्शियम की कमी पैदा कर सकता है। कैल्शियम की कमी आपकी बोन हेल्थ पर बुरा असर डाल सकती है। यानी जरूरत से ज्यादा प्रोटीन इनटेक जोड़ों में दर्द जैसी समस्याओं का मुख्य कारण बन सकता है। अगर आप अपनी हड्डियों को कमजोर नहीं बनाना चाहते हैं तो सही मात्रा में ही प्रोटीन को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इसके अलावा आपको जानकर हैरानी होगी कि ज्यादा प्रोटीन कंजम्पशन कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के खतरे को भी बढ़ा सकता है।

आमंत्रित करे किडनी से जुड़ी बीमारी

प्रोटीन का ज्यादा इनटेक किडनी से जुड़ी बीमारियों को भी आमंत्रित कर सकता है। आपको पथरी जैसी खतरनाक बीमारी से जूझना पड़ सकता है। क्या आप जानते हैं कि आपको एक दिन में कितना प्रोटीन कंज्यूम करना चाहिए? दरअसल, एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोटीन इनटेक की सही मात्रा व्यक्ति के वजन के ऊपर निर्भर करती है। इसके अलावा उम्र और फिजिकल एक्टिविटी जैसे फैक्टर्स भी प्रोटीन इनटेक की मात्रा पर असर डाल सकते हैं।

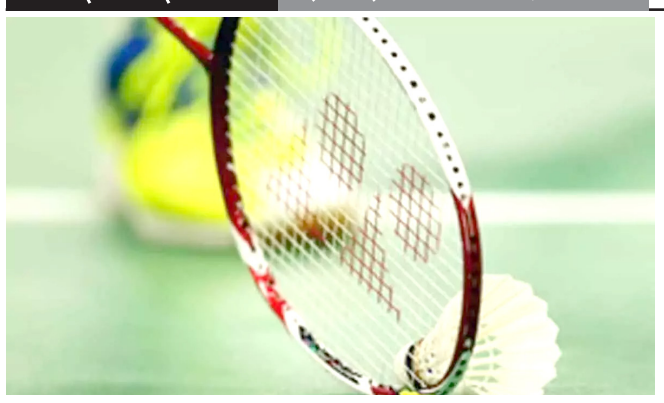

बैडमिंटन खिलाड़ी खिलाड़ी झांग झिजी की असामयिक मृत्यु

होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी की असामयिक मृत्यु, जिनका 30 जून को इंडोनेशिया के योग्याकार्टा में बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के दौरान निधन हो गया... होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी की असामयिक मृत्यु, जिनका 30 जून को इंडोनेशिया के योग्याकार्टा में बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के दौरान निधन हो गया, ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (BWF) को झांग के परिवार, उनके साथियों, चीनी बैडमिंटन संघ और पूरे चीनी बैडमिंटन समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है। कोर्ट पर झांग की मौत ने बैडमिंटन एशिया और बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडोनेशिया (PBSI) के साथ मिलकर BWF द्वारा गहन समीक्षा की है। हालांकि चैंपियनशिप बैडमिंटन एशिया के अधिकार क्षेत्र में आती है, लेकिन BWF के पास व्यापक चिकित्सा दिशा-निर्देश हैं जो BWF द्वारा अनुमोदित टूर्नामेंटों की मेजबानी करने वाले क्षेत्रीय और राष्ट्रीय शासी निकायों के लिए उपलब्ध हैं। इन दिशा-निर्देशों को यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि आयोजनों के दौरान उचित चिकित्सा प्रोटोकॉल और अभ्यास लागू हों। 'बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) इस अवसर पर झांग जी जी के परिवार, उनके साथियों, चीनी बैडमिंटन संघ और पूरे चीनी बैडमिंटन समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है,' मंगलवार को BWF द्वारा जारी एक बयान में कहा गया।'30 जून को इंडोनेशिया के योग्याकार्टा में बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में झांग की मौत एक दुखद घटना है, और हम बैडमिंटन एशिया और बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ़ इंडोनेशिया (PBSI) के परामर्श से इस मामले की गहन समीक्षा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं,' इसमें आगे कहा गया।

टीम इंडिया के जम्बिाब्वे दौरे के शुरुआती 2 मैचों के लिए 3 बड़े बदलाव

जम्बिाब्वे दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में कई बदलाव किए गए हैं. इस टीम में साई सुदर्शन, जतिश शर्मा और हर्षित राणा को पहले दो टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. BCCI ने इस बात का ऐलान किया.

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के जम्बिाब्वे दौरे के लिए 3 बदलाव बड़े बदलाव कएि गए हैं. टीम में साई सुदर्शन, जतिश शर्मा और हर्षित राणा को पहले दो टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. जो संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल की जगह लेंगे. वर्ल्ड चैम्पयिन टीम इंडिया इस समय बारबाडोस में हैं. टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया अभी तक भारत नहीं लौटी है. इसकी वजह चक्रवाती तूफान हरिकेन बेरिल है. BCCI के अधकिारी भी टीम के ही साथ हैं. संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल हाल में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के 15 सदस्यीय स्क्वॉड में शामलि थे. जनिकी जगह BCCI ने रप्लिेसमेंट के तौर पर साई सुदर्शन, जतिश शर्मा और हर्षित राणा को शामलि कयिा. साई सुदर्शन इंडयिन प्रीमयिर लीग में गुजरात टाइटन्स, जतिश शर्मा पंजाब किंग्स तो हर्षति राणा कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम की ओर से खेलते दखिे थे. शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे जाने वाली टीम में शामिल होने वाले ये तीनों खिलाड़ी (संजू, दुबे, जायसवाल) पहले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के बाकी सदस्यों के साथ भारत आएंगे और फिर हरारे के लिए रवाना होंगे. यानी संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल शुरुआती 2 मैचों के बाद जम्बिाब्वे के लिए टीम में शामिल होंगे. इसी बीच टीम इंडयिा जम्बिाब्वे दौरे के लएि रवाना हो गई है, इसके फोटो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से शेयर किए गए. जहां टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण भी दखिे, जो भारतीय टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे. इसके अलावा BCCI ने फोटो शेयर किए, उसमें टीम के अन्य सदस्य भी दिख रहे हैं. इसमें पहली बार टीम इंडयिा में शामलि हुए अभषिक शर्मा और रियान पराग जैसे खलिाड़ी भी हैं. भारत के खलिाफ जम्बिाब्वे की टीमः सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाई चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट काइया, क्लाइव मडांडे, वेस्ली मधेवेरे, तदिवनाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्रैंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजारबानी, डायोन मायर्स, एंटम नकवी, रिचर्ड नगारवा, मिल्टन शुम्बा

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), हर्षित राणा

रोनाल्डो होगा आखिरी यूरो टूर्नामेंट

पुर्तगाल किसी तरह चल रहे यूरो 2024 में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में Success रहा, क्योंकि उन्होंने रोमांचक मुकाबले में स्लोवेनिया को हराया। रोमांचक मुकाबला पेनल्टी तक गया और पुर्तगाल ने गोलकीपर डिओगो डालोट के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीत हासिल की। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए यह यादगार मैच रहा क्योंकि उन्होंने अतिरिक्त समय में एक पेनल्टी मिस की, लेकिन पेनल्टी पर एक सफल स्पॉट-किक के साथ खुद को भुनाया।मैच के बाद, जिसमें वे रोते हुए भी देखे गए, रोनाल्डो ने पुष्टि की कि मौजूदा संस्करण उनका आखिरी यूरो टूर्नामेंट होगा। रोनाल्डो की सेवानिवृत्ति कुछ समय से चर्चा का विषय रही है और उनकी उम्र 39 वर्ष होने के कारण, सबसे अधिक संभावना है कि बड़ी घोषणा कार्ड पर हो सकती है।'यह मेरी आखिरी यूरोपीय चैम्पियनशिप होगी, बेशक। लेकिन मैं इसके बारे में भावुक नहीं होता, मैं फुटबॉल से जुड़ी हर चीज के बारे में भावुक होता हूं। खेल के प्रति मेरे उत्साह, अपने समर्थकों और अपने परिवार को देखने के उत्साह और लोगों के मेरे प्रति स्नेह के कारण।'यह फुटबॉल छोड़ने के बारे में नहीं है, क्योंकि अगर मैं ऐसा करता हूं, तो मुझे और क्या करना होगा या जीतना होगा? यह एक अधिक अंक या एक कम अंक के बारे में नहीं होगा। लोगों को खुश करना ही मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित करता है।'

गलतियों से घिरे नागल विंबलडन से पहले दौर में बाहर

लंदनः भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने 44 अनफोर्स्ड एरर किए और विंबलडन के पहले दौर से बाहर हो गए। उन्हें सर्बिया के मिओमिर केकमैनोविच से चार सेटों में हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में पहली बार भाग ले रहे नागल ने दो घंटे 38 मिनट तक कड़ी मेहनत की और सोमवार रात को 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हारने से पहले दुनिया के 53वें नंबर के खिलाड़ी केकमैनोविच से एक सेट जीतने में भी सफल रहे। 72वीं रैंकिंग वाले 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 47 विनर्स लगाकर शानदार खेल दिखाया, लेकिन सामान्य तौर पर ग्रास कोर्ट पर उन्हें संघर्ष करना पड़ा। अंत में वे केकमैनोविच के 122 अंकों के मुकाबले केवल 104 अंक ही बना पाए। 53वीं रैंकिंग वाले सर्बियाई खिलाड़ी ने छह ऐस लगाए और केवल दो डबल फॉल्ट खाए। यह नागल के खिलाफ इतने ही मैचों में केकमैनोविच की दूसरी जीत थी, उन्होंने चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में एटीपी 250 इवेंट में भारतीय को हराया था। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

कर चुके नागल पिछले पांच साल में विंबलडन पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ मैच खेलने वाले पहले भारतीय हैं। प्रजनेश गुणेश्वरन 2019 में पहले दौर से बाहर हो गए थे।नागल के लिए यह शानदार सीजन रहा है क्योंकि उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालीफाई किया था। उन्होंने शुरुआती दौर में कजाकिस्तान के 31वें वरीय अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर 35 साल में किसी स्लैम में वरीय खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन गए थे।उन्होंने एटीपी 1000 इवेंट इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे-कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालीफाई किया था।भारतीय खिलाड़ी ने इस सीजन में दो चैलेंजर इवेंट हीलब्रॉन चैलेंजर और चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीते हैं।

केरल ब्लास्टर्स फुटबॉल ने फॉरवर्ड नोहा सदाउई अनुबंध की हासिल

केरलः केरल ब्लास्टर्स फुटबॉल क्लब (केबीएफसी) ने फॉरवर्ड नोहा सदाउई की सेवाएं दो साल के Contractपर हासिल की हैं, जो उन्हें 2026 तक क्लब में रखेगा। स्टार फॉरवर्ड गर्मियों में क्लब का पहला विदेशी अनुबंध बन गया है। वह थाईलैंड में अपनी नई टीम के साथ जुड़ेंगे, जहां उन्हें प्री-सीजन की तैयारियां शुरू करनी हैं। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने आईएसएल में 54 मैच खेले हैं, जिसमें पिछले दो सीजन में उनके नाम 29 गोल और 16 असिस्ट दर्ज हैं। खिलाड़ियों में से एक के रूप में तेजी से उभरे हैं। मोरक्को में जन्मे, नोआह ने विभिन्न लीगों और महाद्वीपों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक प्रभावशाली फुटबॉल यात्रा की है। उनका करियर वायदाद कैसाब्लांका के युवा रैंक में शुरू हुआ, इससे पहले कि वे एमएलएस साइड न्यूयॉर्क रेड बुल्स की युवा टीम पीडीए अकादमी में शामिल होने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए। अमेरिका में एक सफल कार्यकाल के बाद, अपने कॉलेज की चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण योगदान देने और कई ऑल-एमएएसी फर्स्ट

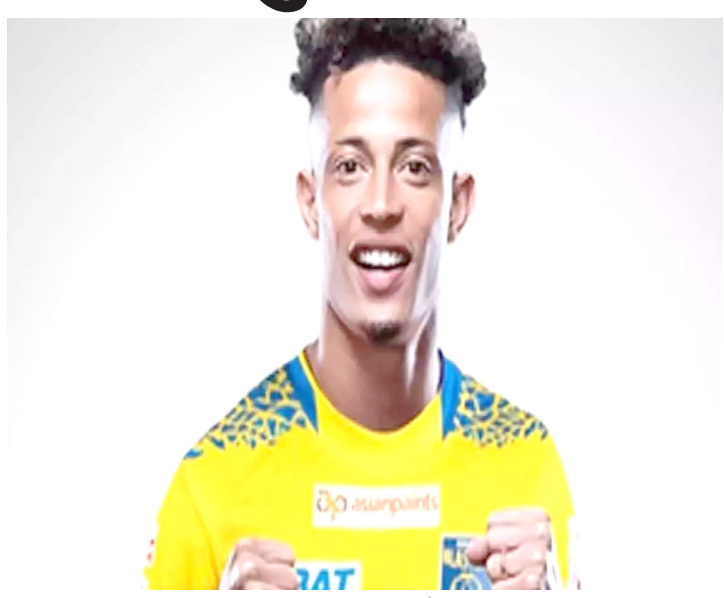

टीम सम्मान अर्जित करने के बाद, नूह के पेशेवर करियर ने कई महत्वपूर्ण बदलावों के साथ उड़ान भरी, जिसकी शुरुआत 2013 में इज़राइली प्रीमियर लीग क्लब मैकाबी हाइफ़ा से हुई। उनका पहला सिल्वरवेयर दक्षिण-अफ्रीकी पक्ष अजाक्स केप टाउन (अब केप टाउन स्पर्स) के साथ आया, जब उन्होंने तीन मैचों में तीन गोल करके उन्हें 2015 एमटीएन 8 जीतने में मदद की। 2015 और 2017 के बीच, नूह ने मियामी यूनाइटेड में काम किया, जिसके साथ उन्होंने 2016 नेशनल प्रीमियर सॉकर लीग, रियल सीडी एस्पाना (होंडुरास) और अल-खबुराह एससी (ओमान) जीते।ब्लास्टर्स के साथ अनुबंध पर, नोआ ने कहा, 'मैं केरला ब्लास्टर्स में शामिल होने और इस तरह के जोशीले क्लब का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।

KBFC प्रशंसकों की ऊर्जा और समर्थन अविश्वसनीय है, और मैं उनके सामने खेलने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। मैं क्लब की सफलता में योगदान देने और इस रोमांचक यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। साथ मिलकर, हम बड़ी चीजें हासिल कर सकते हैं और इस सीजन में अपनी छाप छोड़ सकते हैं।' 2017-18 सीज़न तक नोआ ने अपना ब्रेक-थ्रू गोल स्कोरिंग सीज़न नहीं बनाया था, जिसमें उन्होंने ओमानी साइड Mirbat Aससी के लिए 20 मैचों में 16 गोल किए थे। नोआ ने एंप्पी एससी (मिस्र) के साथ अपना फॉर्म जारी रखा, एमसी औजदा के साथ मोरक्को लौटने से पहले 17 मैचों में 6 गोल किए।

व्यापार

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी को कारण नोटिस पर सेबी को दिया जवाब

व्यापार जुलाई को एक ब्लॉग पोस्ट में, हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया, इसे निराधार बताया और अडानी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के अपने आरोपों को चुप कराने का इरादा जताया। ब्लॉग पोस्ट में 'Indian Regulations 'भारतीय विनियमों के संदिग्ध उल्लंघन' को भी रेखांकित किया गया। हिंडनबर्ग ने खुलासा किया कि उन्हें सेबी से एक 'विचित्र ईमेल' मिला था, जिसे उन्होंने शुरू में अनदेखा कर दिया था, लेकिन बाद में 'कारण बताओ नोटिस' शीर्षक से एक संचार के बाद ही उन्हें इसका महत्व समझ में आया।शोध फर्म ने कहा कि वह पूरा नोटिस साझा करती है 'क्योंकि हमें लगता है कि यह बकवास है, जिसे पूर्व-निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति के लिए गढ़ा गया है: भारत में सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने का प्रयास।' इसने स्लाइडशेयर ऑनलाइन के माध्यम से एक पीडीएफ दस्तावेज़ में कारण बताओ नोटिस को लिंक किया।हिंडनबर्ग ने कहा कि वे "जानते" हैं कि सेबी इस बात से "परेशान" है कि भारत में कोई संचालन न करने वाली संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित शोध फर्म को कैसे जवाब दिया जाए, क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया था कि अडानी समूह "कॉर्पोरेट इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला" कर रहा था।इसमें कहा गया है कि उन्हें रिपोर्ट के लिए "तीखे विरोध की आशंका थी" "भले ही हमारे साक्ष्य कितने भी व्यापक और सत्य क्यों न हों", उन्होंने आगे कहा कि सेबी "ऐसी प्रथाओं को उजागर करने वालों का पीछा करने में अधिक रुचि रखता है" और नियामक का रुख "मोटे तौर पर भारत सरकार के अन्य तत्वों की कार्रवाइयों के अनुरूप है, जिन्होंने अडानी के बारे में आलोचनात्मक लेख लिखने के लिए 4 पत्रकारों को गिरफ्तार करने और अडानी की आलोचना करने वाले संसद सदस्यों को निष्कासित करने की मांग की है।"आरोपों के इर्द-गिर्द संदर्भ, कारण बताओ नोटिसः संदर्भ के लिए,Suspected Violation हमारी मूल रिपोर्ट 106 पृष्ठों की थी, जिसमें 32,000 शब्द थे, और इसमें 720 उद्धरण शामिल थे, जिसमें सामूहिक रूप से इस बात के सबूत दिए गए थे कि अडानी "दशकों के दौरान एक बेशर्म स्टॉक हेरफेर और अकाउंटिंग धोखाधड़ी योजना में शामिल था।"

आरबीआई ने निर्यात, आयात लेनदेन पर विनियमन को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव रखा

दिल्ली। आरबीआई ने मंगलवार को निर्यात और आयात लेनदेन को कवर करने वाले विनियमों को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया, जिसका उद्देश्य व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और बैंकों को अपने विदेशी मुद्रा ग्राहकों को अधिक कुशल सेवा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना है।केंद्रीय बैंक ने इस संबंध में 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत विदेशी व्यापार का विनियमन - मसौदा विनियम और निर्देश' जारी किए हैं।मसौदे के अनुसार, प्रत्येक निर्यातक को निर्दिष्ट प्राधिकारी को माल या सेवाओं के पूर्ण निर्यात मूल्य का प्रतिनिधित्व करने वाली राशि को निर्दिष्ट करने वाला एक घोषणापत्र प्रस्तुत करना चाहिए।इसमें कहा गया है, 'माल और सेवाओं के पूर्ण निर्यात मूल्य का प्रतिनिधित्व करने वाली राशि माल के लिए शिपमेंट की तारीख और सेवाओं के लिए चालान की तारीख से नौ महीने के भीतर वसूल की जाएगी और भारत को वापस भेज दी जाएगी।' मसौदे में यह भी प्रस्ताव है कि कोई निर्यातक जो निर्दिष्ट समय के भीतर निर्यात का पूरा मूल्य वसूल नहीं करता है, उसे अधिकृत डीलर द्वारा सावधानी सूची में डाला जा सकता है।कोई निर्यातक जिसे सावधानी सूची में डाला गया है, वह अधिकृत डीलर की संतुष्टि के लिए केवल अग्रिम भुगतान की प्राप्ति या अपरिवर्तनीय ऋण पत्र के विरुद्ध ही निर्यात कर सकता है।मसौदे के अनुसार, सोने और चांदी के आयात के लिए अग्रिम धन प्रेषण की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विशेष रूप से मंजूरी न दी जाए।आरबीआई ने कहा कि प्रस्तावित विनियमनों का उद्देश्य विशेष रूप से छोटे निर्यातकों और आयातकों के लिए व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना है।केंद्रीय बैंक ने कहा कि इनका उद्देश्य अधिकृत डीलर बैंकों को अपने विदेशी मुद्रा ग्राहकों को अधिक तेज़ और कुशल सेवा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना भी है।आरबीआई ने फेमा के तहत मसौदा विनियमनों पर टिप्पणियां मांगी हैं और 1 सितंबर तक अधिकृत डीलर बैंकों को निर्देश दिए हैं।

जून में भारत का कोयला उत्पादन 14% बढ़ा

दिल्ली। देश में कोयला उत्पादन जून में 14.49 प्रतिशत बढ़कर 84.63 मिलियन टन (एमटी) हो गया। सरकार के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष जून में देश का कोयला उत्पादन 73.92 मीट्रिक टन था। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जून में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन 63.10 मीट्रिक टन रहा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.87 प्रतिशत अधिक है। जून में भारत का कोयला प्रेषण 85.76 मीट्रिक टन रहा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 10.15 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, 30 जून तक कोयला कंपनियों के पास मौजूद कोयले के स्टॉक में भी उछाल आया और यह 95.02 मीट्रिक टन तक पहुंच गया। इसमें कहा गया है, 'यह वृद्धि 41.68 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है, जो कोयला क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन और दक्षता को रेखांकित करती है। साथ ही, ताप विद्युत संयंत्रों (टीपीपी) में कोयले के स्टॉक में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो उसी तिथि को 46.70 मीट्रिक टन (अनंतिम) हो गई, जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 30.15 प्रतिशत रही।'

रतन टाटा ने मुंबई में टाटा ट्रस्ट्स स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल खोला

मुंबई. टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा जानवरों, खासकर कुत्तों के प्रति अपने प्यार के लिए जाने जाते हैं। 86 वर्षीय उद्योगपति ने मुंबई में एक छोटा सा पशु अस्पताल खोला है। यह 'भारत का सबसे बड़ा 24 घंटे खुला रहने वाला अस्पताल' है। 'टाटा ट्रस्ट्स स्मॉल एनिमल hospital आखिरकार जनता के लिए खुल गया है, जो अपने परीक्षण चरण से पहले चरण में प्रवेश कर रहा है। हम पशु चिकित्सा देखभाल के लिए इस नए दिन को लाने के लिए उत्साहित हैं, एक ऐसा दिन जो देखभाल, इलाज और आराम का प्रतीक है। मुंबई, अब तक और आने वाले वर्षों में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद,' इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीर के कैप्शन में लिखा है। तस्वीर में रतन टाटा स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर पर एक टेक्स्ट लिखा है, 'हम खुले हैं।' रतन टाटा ने भी अपने फ़ॉलोअर्स के साथ एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट को कैप्शन के साथ साझा किया, 'हम खुले हैं।' इंस्टाग्राम पोस्ट को शेयर किए जाने के बाद से इसे सात लाख से ज़्यादा लाइक मिल चुके हैं और यह संख्या अभी भी बढ़ रही है। कई लोगों ने अपने विचार साझा करने के लिए पोस्ट के कमेंट सेक्शन का सहारा भी लिया। रतन टाटा के पास 'सोने का दिल' है। मानवता में सबसे पवित्र और दयालु आत्मा। सर, आप बिल्कुल अनमोल रत्न हैं और नई पीढ़ी के लिए हमारे आस-पास की हर जीवित आत्मा में सहानुभूति और प्रेम के महत्व को समझने के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं,' एक Person ने व्यक्त किया। दूसरे ने कहा, 'आप कितनी बार हमारा दिल जीतेंगे, टाटा सर।' 'बधाई और शुभकामनाएँ!' तीसरे ने लिखा। चौथे ने पोस्ट किया, 'कृतज्ञता के साथ, हम आपकी प्रशंसा करते हैं। हमारे और सभी के दिनों में एक चमकती हुई मूर्ति। इतिहास की किताब में हमेशा के लिए अंकित। एक नायक और एक सच्ची किंवदंती।' 'धन्यवाद, सर, हमारे ग्रह को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए। सुनहरे दिल वाला इंसान। सच्ची प्रेरणा,' पांचवें ने लिखा।

वेदांता एल्यूमिनियम ने पर्यावरण और ऊर्जा उत्कृष्टता के लिए जीते अनेक पुरस्कार

लांजिगढ़ स्थित वेदांता एल्यूमिनियम की रिफाइनरी ने जीते कलिंगा एन्वायर्नमेंट एक्सीलेंस अवॉर्ड और कलिंगा एनर्जी एक्सीलेंस अवॉर्ड

रायपुर। भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने लांजिगढ़ (जिला- कालाहांडी) स्थित अपनी एल्यूमिना रिफाइनरी यूनिट के लिए प्रतिष्ठित कलिंगा एन्वायर्नमेंट एक्सीलेंस अवॉर्ड और कलिंगा एनर्जी एक्सीलेंस अवॉर्ड जीते हैं। ये पुरस्कार इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एंड एन्वायर्नमेंट मैनेजमेंट (आईक्यूईएमएस) द्वारा ओडिशा स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड तथा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज़, हैदराबाद के सहयोग प्रदान किए गए।

वेदांता की लांजिगढ़ यूनिट भारत की प्रमुख स्मेल्टर-ग्रेड एल्यूमिना उत्पादक है। यहाँ पर अनेक पहलें की गई हैं, जो वेदांता एल्यूमिनियम के सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों का हिस्सा हैं, जैसे- 2050 तक नेट ज़ीरो कार्बन, 2030 तक नेट वॉटर पॉज़िटिविटी, प्रभावी कचरा प्रबंधन, जैव विविधता बहाली और सभी प्रचालनों में ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकी अपनाना। सस्टेनेबिलिटी के लिए कंपनी ने जो पहलें की हैं, उन्हें विश्व के प्रतिष्ठित मंचों पर सराहा गया है, जिनमें से एक है मूल्यांकन अवधि 2023 के लिए एस एंड पी कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असैसमेंट (सीएसए) रैंकिंग में वेदांता एल्यूमिनियम का पहला स्थान।

इस उपलब्धि पर वेदांता एल्यूमिनियम के सीईओ जॉन स्लेवन ने कहा, हम सस्टेनेबल प्रचालन हेतु प्रतिबद्ध हैं और हमारी यही प्रतिबद्धता ऊर्जा दक्षता एवं पर्यावरणीय संरक्षण में हमारी सफलता की वजह बनी है, जो कि हमें प्राप्त हुए अनेक सम्मानों में परिलक्षित होती है। हमारी जो निर्णय प्रक्रिया है, उसमें हम सस्टेनेबल मूल्य श्रृंखला को शीर्ष प्राथमिकता देते हैं और इसके साथ हम अपनी बढ़ी हुई प्रचालन दक्षता को संतुलित करते हैं। हमारी ये उपलब्धियाँ उत्कृष्टता के लिए हमारी उन अथक कोशिशों को रेखांकित करती हैं, जो हम सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल के माध्यम से कर रहे हैं, और जो वेदांता एल्यूमिनियम की इस परिवर्तनकारी यात्रा को बल प्रदान करती

हैं। देश की बढ़ती माँगों को पूरा करने के साथ-साथ वेदांता को धरती की जरूरतों का भी पूरा ख्याल है। कंपनी विविध पहलों के जरिए इस उद्योग के सस्टेनेबल रूपांतरण में योगदान दे रही है, जैसे कि नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग में वृद्धि (उदाहरण के लिए, बॉयलर कोफायरिंग में बायोमास का इस्तेमाल), लिथियम-आयन इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट की तैनाती और इलेक्ट्रिक वाहन उपयोग करने पर कर्मचारियों को इन्सेंटिव। इन कोशिशों से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है, वित्तीय वर्ष 2021 को आधार वर्ष मानकर वित्त वर्ष 24 में लगभग 9.3 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि इस दौरान उत्पादन लगभग 20 प्रतिशत बढ़ा है। पानी का पुन: उपयोग करके और वाटर-पॉज़िटिव फुटप्रिंट को पोषित करके कंपनी ने स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर प्रयास किए हैं और निरंतर जल स्तर की निगरानी की है। इस प्रकार वेदांता एल्यूमिनियम ने वि.व.24 के दौरान अपने सभी प्रचालनों में 15 अरब लीटर से अधिक पानी रिसाइकल किया है। इसके अलावा कंपनी ने अपने प्रचालनों के करीब संवेदनशील पर्यावासों एवं जैव विविधता की प्रणालीगत समीक्षा एवं पहचान की है। हाल ही में कंपनी ने अपने प्रचालनों के आसपास जैव विविधता के संरक्षण एवं क्लाईमेट रेसिलियेंस के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों के अमल हेतु एक करार पर दस्तखत किए हैं। वेदांता एल्यूमिनियम यह भी सुनिश्चित करता है कि बॉक्साइट अवशेष (एल्यूमिना रिफाइनिंग प्रक्रिया का बाय-प्रोडक्ट) और फ्लाई-ऐश (बिजली उत्पाद प्रक्रिया का बाय-प्रोडक्ट) का लाभदायक उपयोग हो सके। बॉक्साइट अवशेष को प्रचालन इलाकों में सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है, फ्लाई ऐश के साथ मिलाकर इसका उपयोग विक ड्रेन डैवलपमेंट में मिट्टी के मजबूत करने में किया जाता है और सीमेंट उद्योग को बतौर कच्चा माल इसे सप्लाई किया जाता है। परिणामस्वरूप, अब तक 1,00,000 मीट्रिक टन से अधिक रैड मड का इस्तेमाल किया जा चुका है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सड़क निर्माण तथा स्थानीय समुदायों द्वारा संचालित ईंट निर्माण हेतु फ्लाई ऐश की आपूर्ति करके उसका लाभदायक उपयोग किया जाता है और इस तरह ग्रामवासियों की आमदनी में इजाफा होता है। इन पहलों से वित्त वर्ष 23 में कचरे का उपयोग 200 प्रतिशत बढ़ा है।

श्रीमती चंपा देवी इंदिरा देवी जैन चेरिटेबल ट्रस्ट ने समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाली नारी शक्तियों का किया सम्मान

रायपुर। मातृ दिवस के अवसर पर छतीसगढ़ क्लब सिविल लाइन मुख्य मंत्री निवास के डर बार हाल में महिलाओं का सम्मान किया गया जिसमें श्रीमती श्वेता उपाध्याय साहित्य के क्षेत्र में श्रीमती मीनल तिवारी पत्रकारिता श्रीमती कामनी बावनकर शिक्षा श्रीमती प्रियंका मिश्रा पचोरी अनुसंधान श्रीमती शयामा साहू समाज सेवा श्रीमती अनुपमा तिवारी पर्यावरण डॉ भारती शांडिल्य चिकित्सा डॉ गीता साहू चिकित्सा डॉ निलिमश शोनेद्र चिकित्सा सु श्री आरती सिंह कला एवं संस्कृति श्रीमती इंदु प्रभा साहू महिला सशक्तिकरण कु गीतांजलि पंकज खेल कु एम काव्या पशु सेवा रायपुर पुलिस संगीत ग्रुप को संगीत एवं कला के क्षेत्र में सम्मनित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति डुमरे राजवैद्य अकाशवाणी दुरदर्शन छतीसगढ़ी फ़िल्म कलाकार श्री सुदीप जैन समाज सेवी श्री पीयूष जैन श्रीमती नीता जैन सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती हेमलता यादव श्रीमती सीमा वर्मा तुलसी श्रीवास उषा निशाद छतीसगढ़ डिफेंस अकादमी दीपक झा रूपेंद्र साहू आदि उपस्थित थे

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ भूमिका तिवारी ने किया

महिलाओं को सामग्री बिक्री प्रबंधन स्वरोजगार स्थापना की तकनीक की जानकारी कार्यशाला में दिया

भिलाई नगर । समाज सेवी संगठन लोकार्पण समिति छत्तीसगढ़ एवं आस्था वूमेन सोशल संस्था महासमुंद द्वारा एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत स्वरोजगार से स्वालंबन तक कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला स्वरोजगार महिला स्वालंबन की प्रशिक्षण के साथ उन्हें बिक्री कला सामग्री प्रबंधन की जानकारी दिया महिलाओं को प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। महिला स्व सहायता समूह भिलाई एवं आस्था वूमेन सोशल संस्था महासमुंद की महिलाओं को प्रशिक्षक बाद बिक्री कला सामग्री प्रबंधन की तकनीक की जानकारी लोकार्पण समिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष इस्माईल खान के द्वारा दिया गया श्री खान ने महिलाओं को उदबोधन देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाए आज आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बन कर परिवार में आर्थिक सहयोग के रही है, राज्य शासन ने महिला कल्याण के कार्यक्रम चला रही है उसका लाभ लेना चाहिए। महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता तारणी चंद्राकर द्वारा महिलाओं को स्व रोजगार स्थापना की तकनीक आर्थिक रूप से स्वालंबी कैसे बने की जानकारी दिया गया महासमुंद की 80 महिलाओं ने 3 माह तक सिलाई प्रशिक्षण ली उन्हें सिलाई कढाई की जानकारी के साथ स्वय सिलाई सेंटर की स्थापना में शासन से क्या सहायता मिलती है किं जानकारी कार्यशाला में दी गई। श्री महिला स्व सहायता समूह जुनवानी भिलाई की महिलाओं की लोकार्पण समिति की महिलाए प्रशिक्षका श्रीमती धरमबती निषाद ने दीया बाती निर्माण के साथ विधि , सामग्री प्रबंधन, सहित सावधानी की जानकारी दिया समूह अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल,सचिव उर्वशी चंद्राकर, नीरा निर्मलकार सीमा सेन, माधुरी सहित समूह की महिला शामिल हुई ।

...जब अस्पताल में कलेक्टर गौरव से नन्हे गौरव की हुई मुलाकात

कलेक्टर ने पूछा- इलाज और दवा मिल रहा, मरीज बोले-हां मिल रहा है

रायपुर। मां के साथ अस्पताल में पहुंचे नन्हें बच्चे को देखकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ठहर गए। कलेक्टर ने नन्हें बच्चे से नाम पूछा तो उसने अपना नाम गौरव बताया। इतने में कलेक्टर ने कहा कि हम दोनों एक नाम के है। कलेक्टर ने नन्हें गौरव से उसकी पढ़ाई के बारे में पूछा। फिर बेहतर भविष्य की कामना करते हुए आगे की पढ़ाई जारी रखने की बात कहीं। यह वाक्या धरसींवा के सामुदायिक केंद्र में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा निरीक्षण के दौरान देखने को मिला। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कई मरीजों से बातचीत की और इलाज के बारे में जानकारी ली। सभी ने अस्पताल में बेहतर सुविधा और उपचार मिलने पर संतुष्टि जताई। कलेक्टर ने चिकित्सा कक्ष की व्यवस्थाओं को भी देखा। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में तैयार हो रहे ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण कार्य को भी जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए और शुरू करने को कहा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कुरा के हमर क्लिनिक और ग्राम बरबंदा के उप स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मरीजों से भी बातचीत की और सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि स्टॉक दवाओं में एक्सपायरी डेट का ध्यान रखा जाए। किसी भी मरीज को एक्सपायरी डेट की दवा वितरित न की जाए। मरीजों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद, एसडीएम नंदकुमार चौबे उपस्थित थे।

सराफा एसोसिएशन के निर्वाचित पदाधिकारियों ने विजय एवं आभार रैली निकाली

जगह-जगह सराफा व्यापारियों ने किया शानदार स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के पिछले दिनों संपन्न चुनाव में विजयी पदाधिकारियों की मंगलवार को राजधानी रायपुर में विजय एवं आभार रैली निकली, सराफा कारोबार से जुड़े व्यापारियों ने उनका जगह-जगह जोरदार ढंग से स्वागत किया। कहीं साफा बांधा गया तो कहीं गजमाला पहनाया गया। कुछ जगहों पर जोरदार आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। खुशी के माहौल में सराफा व्यापारियों ने रैली के स्वागत में मिठाई वितरण कर मुंह मीठा कराया। आज विजय व आभार रैली की खास बात ये रही है कि सारे सराफा व्यापारी एकजुट नजर आए। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के चुनाव संचालक रहे हरख मालू व पवन सोनी ने बताया कि पिछले दिनों बिलासपुर में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शानदार विजय व आभार रैली से स्वागत हुआ था, आज राजधानी के सराफा व्यापारियों को धन्यवाद ज्ञापित करने विजय एवं आभार रैली निकाली गई,जो कि देर शाम कोतवाली चौक से प्रारंभ होकर सदरबाजार, सत्तीबाजार, कमासीपारा, एडवर्ड रोड, हलवाई लाइन होकर महावीर भवन सदरबाजार में संपन्न हुई। जहां पर काफी बड़ी संख्या में उपस्थित सराफा कारोबारियों ने छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमल सोनी, महामंत्री- प्रकाश गोलछा, कोषाध्यक्ष-हर्षवर्धन जैन का सम्मान किया गया। वरिष्ठजन भी पदाधिकारियों को आर्शिवाद प्रदान करने मौजूद रहे। अध्यक्ष कमल सोनी ने फिर दोहराया कि संकल्प पत्र में चुनाव के दौरान जो सराफा व्यापार के हित में काम करने की बात कही गई थी उस पर आज भी प्रतिबद्ध हैं।

खरीदी केंद्रों में करोड़ों का घोटाला हाईकोर्ट पहुंचे समिति प्रबंधक

राजिम. गरियाबंद जिले के 8 धान खरीदी केंद्रों में करोड़ों के करीब 36 सौ क्विंटल धान गायब होने के मामले में अब समिति प्रबंधकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और शॉर्टेज के लिए विपणन संघ को जिम्मेदार ठहराया है. वहीं सहायक आयुक्त ने भरपाई के लिए प्रबंधकों को नोटिस जारी किया है. इस मामले में प्रबंधकों का कहना है कि सहकारी समितियां केवल खरीदी का माध्यम है, जो तय कमीशन पर धान खरीदी करती है. त्रिपक्षीय अनुबंध के मुताबिक धान का 72 घंटे के भीतर उठाव करवाना विपड़न संघ का काम है. समय पर डीओ जारी नहीं किया, शॉर्टेज के लिए विपणन संघ जिम्मेदार है.

जीवनलाल देवांगन का निधन

राजनांदगांव। मोतीपुर वार्ड क्रमांक 3 के प्रतिष्ठित नागरिक जीवनलाल देवांगन का 2 जुलाई को निधन हो गया। श्री देवांगन विगत कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वे वरिष्ठ पत्रकार मिथलेश देवांगन के बडे भाई थे। वे अपने पीछे पत्नी, सुपुत्र मुकेश देवांगन, रूपेश देवांगन के अलावा पोते-पोतियों, नाती-नातियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए। श्री देवांगन का अंतिम संस्कार मोतीपुर मुक्तिधाम में किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद व भाजपा नेता मधुसूदन यादव, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, सावन वर्मा सहित समाज के पदाधिकारी एवं क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति रही।

महादेव के बाद आया लोटस सट्टा एप, एक महीने के भीतर लगाया सवा करोड़ से ज्यादा का सट्टा

दुर्ग। महादेव सट्टा एप का मामला अभी सुलझा नहीं है, कि अब लोटस ऑनलाइन सट्टा एप सामने आ गया है. दुर्ग पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि हैदराबाद में चल रहे लोटस ऑनलाइन सट्टा एप के जरिए एक महीने के अंदर पैनल ने सवा करोड़ से ज्यादा का सट्टा लगाया गया.

एडिशनल एसपी क्राइम रिचा मिश्रा ने बताया कि क्राइम ब्रांच को ऑनलाइन सट्?टा एप मामले में एक युवक का इनपुट मिला था, जिसका पीछा करते हुए पुलिस युवक के पीछे-पीछे भिलाई तक पहुंची. उस आरोपी को हिरासत में लिए जाने के बाद हैदराबाद में चल रहे पैनल का मामला सामने आया. इसी दौरान दूसरे ठगी के मामले की जांच करने दुर्ग पुलिस की टीम पहले से ही हैदराबाद में थी. जिसके बाद मात्र दो घंटे में ही किराए के मकान में पैनल चलाने वाले युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया.

इसी बीच पैनल चलाने वाला मुख्य आरोपी पुलिस को देख फ्लैट की तीसरी मंजिल से कूद गया. इस पूरे मामले में सफलता मिलने के बाद अब कड़ी दर कड़ी जोड़ते हुए दुर्ग पुलिस जल्द ही इसी से जुड़े और मामले का खुलासा करने की बात भी कर रही है. दुर्ग पुलिस के जवान हैदराबाद से आरोपियों को लेकर आज दुर्ग पहुंची. एडिशनल एसपी क्राइम रिचा मिश्रा ने बताया कि इस ग्रुप में मास्टर आईडी देने वाला शुभम भी पुलिस की गिरफ्त में है. इस पैनल से एक महीने में ही युवकों ने सवा करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया और उनके पास से जब्त अलग-अलग अकाउंट में एक करोड़ 34 लाख रुपए मिले हैं. उन्होंने बताया कि लैपटॉप, मोबाइल सहित कई सोने के जेवरात भी जब्त किए गए हैं, जो आरोपियों ने सट्?टे की कमाई से खरीदे थे.

अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता प्रमोट होकर बने डीजी बने

रायपुर. राज्य सरकार ने दो आईपीएस अधिकारियों का प्रमोशन किया है. IPS अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता को ADG से प्रमोट कर DG बनाए गए हैं. इसका आदेश आज गृह विभाग छग शासन ने जारी किया. बता दें कि आईपीएस अरुणदेव गौतम 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी और हिमांशु गुप्ता 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं.

भिलाई टाउनशिप गोली कांड के आरोपी के अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

दुर्ग। भिलाई के ग्लोब चौक पर हुए गोली कांड के आरोपी अंकुर शर्मा के अवैध कब्जे पर मंगलवार को बुलडोजर चला. टाउनशिप एरिया के सेक्टर 6 A मार्केट के समीप स्थित अंकुर शर्मा के अवैध कब्जे को बीएसपी के एनफोर्समेंट विभाग ने हटाया. इसके पहले पहले बीएसपी के एनफोर्समेंट विभाग के अमले ने दुर्ग पुलिस की मौजूद गोलीकांड के मुख्य आरोपी आरोपी अमित जोश के घर एवं उनके जीजा लकी जॉर्ज के सेक्टर 6, सड़क 31 की बिल्डिंग में किए गए अवैध कब्जा पर भी बुलडोजर चलाया था. बता दें, भिलाई के टाउनशिप ग्लोब चौक में मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात नशे में धुत आरोपी अमित जोश ने विवाद के दौरान तीन राउंड फायरिंग कर दी थी. इस घटना में 2 लोगों को गोली लगी, जिनकी हालात गंभीर बनी हुई है. दोनों का रायपुर के अस्पताल में इलाज जारी है. जानकारी के अनुसार, बदमाश अमित जोश के खिलाफ़ दुर्ग पुलिस के पास 49 मामले दर्ज हैं. पुलिस ने कलेक्टर को पत्र लिखकर अमित जोश को जिला बदर करने की मांग की है. यानि आरोपी को जिला बदर करने के बाद वह जिले के अंदर प्रवेश नहीं कर सकता.

प्लास्टिक का उपयोग: जानलेवा बीमारी के चपेट में लोग

पृथ्वी पर मानव ने अपनी सुविधा के लिए नवनवीन आविष्कार किये, परंतु जरूरत से ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हुआ, आज अपने सुख के लिए मानव प्रकृति के साथ खिलवाड़ करके पृथ्वी को नष्ट करने पर तुला है, जबकि पृथ्वी पर मानव अस्तित्व के साथ ही सम्पूर्ण जीवसृष्टि के लिए भी धोखा निर्माण हो गया है, तेजी से बदलता जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित कारणों का नतीजा है। अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्लहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूटह्व की रिपोर्ट ने बताया कि 2021 में 81 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, भारत में 21 लाख और चीन में 23 लाख मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है, मौतों का यह आंकडा बहुत ही ज्यादा है। वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ई-कचरा, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, घातक रसायनों का प्रयोग, लाखों लोगों को हर साल घातक बीमारियों से जकड़कर असमायिक मौत दे रहे हैं। प्रदुषण से पशु-पक्षी, वन्यजीव, समुद्रजीव तेजी से खत्म हो रहे हैं। पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण इस तरह से बढ़ा है कि अगर आज पूरे विश्व में प्लास्टिक बंदी हो जाए तो भी हजार साल उसका अस्तित्व वातावरण में नजर आयेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि आज के वर्तमान युग में हम रोज प्लास्टिक खा रहे हैं, पी रहे हैं और प्लास्टिक मिश्रित ऑक्सीजन ले रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, हर साल प्रति व्यक्ति संभावित रूप से 11,845 से 193,200 माइक्रोप्लास्टिक्स ग्रहण करता है, जो 7.7 ग्राम से 287 ग्राम प्रति व्यक्ति के बीच होता है, इसका सबसे बड़ा जरिया हमारा पीने का पानी है। क्रिश्चियन चैरिटी समूह टियरफंड द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि विकासशील देशों में हर 30 सेकंड में एक मौत के लिए प्लास्टिक कचरा जिम्मेदार है। शोधकताओं ने पाया कि हर साल चार लाख से दस लाख लोग कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के संपर्क में रहने के कारण कैंसर जैसी घातक बीमारियों से मरते हैं। प्लास्टिक कचरे से हर साल 100 मिलियन समुद्री जीव मरते हैं, हर साल 100,000 समुद्री जीव प्लास्टिक में उलझने से जान गवांते है। गर्म खाद्य पदार्थों के लिए प्लास्टिक का प्रयोग जहर जैसा है क्योंकि जैसे ही प्लास्टिक का गर्म खाद्यपदार्थों से संपर्क होता है, तो प्लास्टिक अपने जहरीले रसायनों को छोड़ता है, जो खाद्यपदार्थों में मिलता है और उस खाद्य पदार्थों को खाकर इंसान जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है, इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण के द्वारा मौतों में लगातार वृद्धि हो रही है। प्लास्टिक में मौजूद जहरीले रसायन मानव शरीर में हार्मोन गतिविधि को बदल सकते हैं, प्लास्टिक में मौजूद विघटनकारी रसायन बांझपन, मोटापा, मधुमेह, प्रोस्टेट या स्तन कैंसर, थायरॉयड समस्याओं, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। प्लास्टिक की थैलियों को फोटोडिग्रेड होने में लगभग 300 साल और कुछ प्लास्टिक को हजार साल तक लग जाते हैं। वे छोटे-छोटे जहरीले कणों में टूट जाते हैं जो मिट्टी और जलमार्गों को प्रदूषित करते हैं और जब जानवर, पशुपक्षी या समुद्रीजीव गलती से ये प्लास्टिक खा लेते हैं, तो वे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। प्लास्टिक को जलाने से उन्हें खत्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि जलाने पर वे वायुमंडल में जहरीली गैसें छोड़ते हैं जो वायु प्रदूषण का कारण बनती हैं। हर साल ३ जुलाई को दुनियाभर में जनजागृति के लिए ₹अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस₹ मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम ₹व्यक्तियों, व्यवसायों और संगठनों को प्लास्टिक के अन्य स्थायी विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें₹ यह है, प्लास्टिक के उपयोग और अपशिष्ट को कम करने के लिए नीतिगत परिवर्तनों और प्रणालीगत समाधानों पर जोर दें। प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बने होते हैं, प्लास्टिक खाद्य भंडारण पैकेज में जहरीले रसायन होते हैं, प्लास्टिक उत्पादन के दौरान जहरीले रसायन निकलते हैं। साल 2050 तक महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक

कचरा अधिक होगा। हर साल दुनिया भर में करीब 500 बिलियन प्लास्टिक बैग इस्तेमाल किए जाते हैं, यह बहुत ज्यादा बैग हैं। दुनिया भर में हर सेकंड 160,000 प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है, जिनका जीवनकाल लगभग 12 से 25 मिनट है। दुनिया भर में हर मिनट लगभग दस लाख प्लास्टिक पेय की बोतलें बेची जाती हैं, प्यू चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्ययन 2022 अनुसार, हर साल 11 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक समुद्र में प्रवेश करता है, जो पानी में मिलकर खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है। ईए की रिपोर्ट के अनुसार, भारत एमडब्ल्यूआई में चौथे स्थान पर है, जहां 98.55 प्रतिशत उत्पन्न कचरे का कुप्रबंधन किया जाता है। भारत में प्लास्टिक कचरे का उत्पादन पिछले पांच वर्षों में चार गुना हो गया है। सरकार का कहना है कि देश का 60% प्लास्टिक कचरा रिसाइकिल किया जाता है, जबकि सीपीसीबी डेटा पर आधारित सीएसई डेटा के मुताबिक, भारत अपने प्लास्टिक कचरे का केवल 12% ही रिसाइकल कर पाता है। भारत देश में एकल उपयोग प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबंध है, बहुत बार प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं महानगर पालिका या नगर निगम द्वारा दुकानों, कारखानों पर छापा मारकर प्लास्टिक थैलियों का अवैध माल जप्त किया जाता है। परंतु हम सभी जानते है कि पाबंदी के बावजूद बड़ी मात्रा में प्लास्टिक थैलियों का अवैध व्यापार और उपयोग धड़ल्ले से जारी है। दुकानदार के मना करने के बावजूद ग्राहक भी प्लास्टिक थैलियों की मांग करते है, ऐसे लोगों की बेवकूफी का खामियाजा अन्य लोगों और पर्यावरण को भुगतना पड़ता है, जिससे मासूमों जीवों की जान भी चली जाती है। बहुत बार हमें रास्ते, दुकान, स्ट्रीट वेंडर्स किराना दुकान, होटल, सब्जी भाजी फल वाले, खाद्यपदार्थ विक्रेता, छोटे-मोटे दुकानदार की तरफ बैन प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल नजर आता है। थैलियां इस्तेमाल हो रही है मतलब, ऐसी अवैध प्लास्टिक थैलियों का उत्पाद शुरू है। पृथ्वी पर मानव अस्तित्व और जीवसृष्टी को बचाना है तो, प्लास्टिक का इस्तेमाल तुरंत बंद करना होगा, प्लास्टिक के अन्य पर्याय का अनुकरण करके पर्यावरण की रक्षा करनी होगी। लोग प्लास्टिक का अधिक उपयोग करने के आदी हो गये हैं। आलस और स्वार्थवृत्ति छोड़कर कपड़े या कागज की थैलियों का उपयोग करें, पैसे से ज्यादा प्रकृति को प्राधान्य दें। कानून और सरकारी नीति नियमों का पालन करें। कचरा निर्मित न हो या कम हो इसका ध्यान रखें। हर वस्तु के पुनर्चक्रण के बारे में सोचें। प्लास्टिक पैक खाद्य उत्पादों को खरीदने से बचें। एकल उपयोग वाले डिस्पोजेबल प्लास्टिक मना करें। बाहर प्लास्टिक पानी की बोतल खरीदने के बजाय घर से स्टील की बोतल लेकर निकलें। आज से 20-25 साल पहले जब खाद्य पैकेज का ट्रेंड नहीं था, किराना दुकान में खाद्य तेल खरीदने के लिए घर से केतली बर्तन लेकर जाते थे क्योंकि तब तेल के पैकेट नहीं आते थे, किराना सामान समाचार पत्रों की रद्दी के कागज में बांधकर देते थे क्योंकि तब प्लास्टिक की थैलियों नहीं मिलती थी। दूध कांच की बोतल में या घर के किसी बर्तन में लेकर आते थे। एक बात हमेशा याद रखो कि ढूंढने से सौ बहाने मिलेंगे लेकिन मेहनत से हर बात संभव होती है। 2008 में, छोटा सा गरीब देश रवांडा दुनिया के उन पहले देशों में से एक बन गया, जिसने सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग और बोतलों पर प्रतिबंध लगा दिया, इस देश में प्लास्टिक की वस्तु के साथ पकड़े जाने पर छह महीने जेल की सजा है। सिक्किम, जो 1998 में डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला भारतीय राज्य बना, 2016 में, सिक्किम ने दो बड़े फैसले लिए, इसने सरकारी कार्यालयों और सरकारी कार्यक्रमों में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। केरल के कन्नूर में 25 लाख से ज्यादा लोगों ने प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दिया, ताकि यह दक्षिण भारत का पहला प्लास्टिक-मुक्त ज़िला बन सके। एक साल के भीतर, कन्नूर जिले में 40 लाख प्लास्टिक कैरी बैग कम हो गए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दूरदराज के गांव सादिवाड़ा में, ग्राम पंचायत के मुखिया ने पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक-मुक्त कहलाने वाला पहला गांव बनाने की एक अनूठी पहल शुरू की। असम के एक मॉडल स्कूल में छात्रों को स्कूल फीस के तौर पर हर सप्ताह 25 प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र करके लाना होता है, ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहें। मेघालय के मावलिननॉन्ग गांव के पास स्थित दावकी झील को 2003 में एशिया का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। स्वच्छता के प्रति बेहद जागरूक ग्रामीणों ने प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। जनवरी 2020 में केरल के कुमारकोम पहला प्लास्टिक-मुक्त पर्यटन स्थल बन गया। प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए पहल हम सबको मिलकर करनी होगी ताकि आनेवाली पीढ़ी के लिए यह जीवसृष्टि स्वच्छ हरीभरी बनी रहें।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगी। आज आपके चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज आपको कोई शुभ सूचना मिलने की संभावना है। आज आप उत्साह और ऊर्जा से परिपूर्ण रहेंगे। आज अपनी कोई पर्सनल बात किसी के साथ डिस्कस करने से बचें। व्यापार में आपको अपने सहयोगियों की हेल्प मिलेगी ज्यादा से ज्यादा लाभ होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सिर्फ सूझबूझ और कुशलता से अपने कार्यों को करने की जरुरत है। वर्तमान समय में आपने जो नई नीतियां बनाई है, उनसे आपको काफी लाभ मिलने वाला है। इस समय बीमा अथवा निवेश संबंधी कोई प्लान कर रहे हैं, तो वह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगी। आज किसी काम में बड़ो की सलाह मिलेगी, जिससे आपको लाभ मिलेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपको किसी कार्य को लेकर की गई मेहनत का अनुकूल परिणाम मिलने वाला है। घर में कोई धार्मिक कार्य संपन्न हो सकता है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हे मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किया गये काम में आपको सफलता मिलेगी। आज के दिन आप दूसरों से अपना काम निकलवाने में सक्षम रहेंगे। टेक्सटाइल का काम करने वालों को आज अच्छा लाभ होगा। लवमेट आज कहीं घूमने जाएंगे।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्त्व मिलेगा। पहले से चल रही किसी समस्या से राहत मिल सकती है। आज आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ अपने कार्यों को करेंगे। अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे। प्रयास करने पर कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। इस राशि की महिलाये अपना बिजनेस स्टार्ट कर सकती है। जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचें, सोच समझकर ही अपने काम करें।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में बहुत अधिक जिम्मेदारियां और काम का बोझ रहेगा। आज आपको आलस करने से बचना चाहिए। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने कार्यों को पूरा करने में लगे रहेंगे। इससे बॉस आपसे प्रसन्न होंगे। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर विश्वास करने से बचें। माता जी आपसे कुछ फरमाईस कर सकती है जिसको पूरा करने पर वह खुश होंगी। आज आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय रहने वाला है।

कन्या राशि-आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रोपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाएं बनेगी। अगर कोई कानूनी समस्या चल रही है तो आज उसका समाधान मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति अथवा राजनीतिज्ञ के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा। छात्रो को किसी प्रतियोगी परीक्षा के परिणाम अनुकूल मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपका किसी इंटरव्यू में सलेक्शन होगा अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको कोई उपलब्धि हासिल होगी, लोग आपको बधाई देंगे। आज आपका व्यापारिक दृष्टिकोण हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करेगा। अगर सरकारी अथवा कोर्ट के संबंधी कोई मामला फंसा हुआ है तो आज उसमें सफलता मिलने की संभावना है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपके कार्य सफल होंगे। आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनायेंगे। शिक्षकों की मेहनत और लगन को देखकर लोगों के बीच सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल मिलेगा। आज आप नया वाहन खरीदने का मन बनायेंगे। विद्यार्थियों को अपनी सोच में और अधिक सकारात्मकता लाने की जरूरत है। आज आपका कोई रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीको पर विचार करेंगे। आज भाई-बहन के बीच चल रही अनबन खत्म हो जाएगी, आपसी रिश्ता मजबूत बनेगा। आज आप बच्चों के साथ अपना समय बिताएंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज का दिन पारिवारिक सुख-शांति में वृद्धि लेकर आएगा। आज आपके आपकी कार्यकुशलता और योग्यता की सराहना होगी। आज अपने करियर और पढ़ाई को लेकर सजग रहेंगे। रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों का रुझान बढ़ेगा। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है, पदोन्नति होने के योग बन रहे हैं।

मकर राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक सुखों में वृद्धि लेकर आएगा। युवाओं को अपनी नौकरी से संबंधित किसी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। कोई कीमती उपहार भी मिल सकता है। स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी आज दूर होगी आप एनर्जेटिक रहेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन शानदार रहने वाला है, जीवनसाथी से उपहार मिलेगा। लवमेट आज कहीं घूमने जाएंगे। छात्र आज कम्प्यूटर सीखने का मन बनाएंगे।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपका कार्य करने का और सफलता हासिल करने का जुनून आपको कामयाबी देगा।इंश्योरेंस और कमीशन के बिजनेस में विशेष सफलता मिलेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज किसी मनचाहे प्रोजेक्ट पर कार्य करने का मौका मिलेगा। आपके बेटे का अच्छी जगह चयन होने से परिवार में उत्सव का माहौल बनेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ा कार्य आगे बढ़ेगा। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा, एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अगर किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। ये निवेश आने वाले दिनों में बेहतर फायदा देने वाला रहेगा। आज घर के लोगों के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार विमर्श करेंगे। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी करीबी रिश्तेदार से मिलने का अवसर मिलेगा।

संपादकीय

सेंगोल की जगह संविधान का मतलब क्या है...

राजनीति में उस मुद्दे का बड़ा महत्व होता है जिस मुद्दे से राजनीतिक दल को बड़ा फायदा होता है और भविष्य में भी राजनीतिक फायदा होने की उम्मीद रहती है। कांग्रेस व इंडी गठबंधन को संविधान के मुद्दे पर पिछले लोकसभा चुनाव में उम्मीद से ज्यादा फायदा हो गया। भले ही यह फायदा कुछ ही राज्यों में हुआ हो..इससे कांग्रेस की ताकत दोगुनी हो गई तो यूपी में सपा को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली।इससे दस साल बाद विपक्ष दो सौ के पार हुआ है।विपक्षी गठबंधन के लिए संविधान ऐसा ही मुद्दा साबित हुआ है।सविधान के मुद्दे पर विपक्ष राजनीतिक रूप से मजबूत हुआ है , इसलिए वह इसे अगले पांच साल विपक्ष का प्रमुख मुद्दा बनाए रखना चाहता है। यही वजह है कि संसद में सेंगोल की जगह संविधान की प्रति रखने की मांग की गई। सपा के सांसद रूपकुमार चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिककर मांग की है कि संसद में सेंगोल की जगह संविधान की प्रति रखी जाए। इस पर भाजपा व विपक्ष के सांसदो के बीच विवाद शुरू हो गया है। भाजपा की तरफ से कहा गया है कि सेंगोल तो भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। इसे हटाने की मांग करना महान तमिल संस्कृजि का अपमान है। वहीं विपक्ष के लोगों का कहना है कि देश में राजतंत्र नहीं है, इसलिए संसद में राजदंढ रखने की जरूरत नहीं है. इसे तो संग्रहालय में रखा जाना चाहिए। यानी कि विपक्ष चाहता है सेगोल को जहां से लाया गया था वहीं वापस रख दिया जाए। संसद का नया भवन बना था तो पीएम मोदी ने सेंगोल की खोज करवा कर उसे संसद में स्थौपित किया था कि हमारी भारतीचय परंपरा में जब सत्ता हंस्तातरण होता था तो सत्ता ग्रहण करने वाले को सेगोल दिया जाता था. माना जाता है कि जब अंग्रेजों ने सता का हस्तांतरण किया था सेंगोल पीएम जवाहर लाल नेहरू को सौंपा था। कालांतर में सेंगोल को संग्रहालय मे रखु दिया गया और इसे भुला दिया गया। सेंगोल को संसद में इसलिए स्थापित किया गया है कि इससे हमें याद रहे कि अब देश में सत्ता हमारी है. देश में सत्ता जनता की है।संविधान से भी हमें यही एहसास होता है कि इस देश में हमारा कानून चलता है। यहा हमारा शासन है।देखा जाए तो संगोल भी वही याद दिलाता है जो संविधान हमें याद दिलाता है। लेकिन कुछ लोग सेंगोल का विरोध इसलिए कर रहे है कि इसे पीएम मोदी ने संसद में मंगाकर स्थापित किया है। मोदी विरोधी जब भी इसे देखेंगे तो उन्हें याद आएगा कि इसे तो पीएम मोदी ने संसद में स्फापित किया था।इसलिए वह संसद में सेंगोल की हटाने की मांग कर रहे हैं और खुद को संविधान का सबले बड़ा रक्षक बताने के लिए सेंगोल की जगह संविधान का प्रति रखने की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी व विपक्ष को मोदी को संविधान विरोधी बताने से चुनाव में फायदा हुआ है, इसलिए वह सोचते हैं कि अगले पांच साल मोदी को संविधान विरोधी प्रचारित कर उनकी लोकप्रियता कम की जा सकती है। यही वजह है कि संसद में शपथ लेते वक्त विपक्षी दलों के सांसद हाथ में सविधान की प्रति लिए हुए थे। ताकि वह देश को संदेश दे सकें कि संविधान के रक्षक हम है और पीएम मोदी संविधान के विरोधी हैं। पीएम मोदी विपक्ष की इस चाल को समझ गए और 25 जून को इमरजेंसी की बरसी पर आपातकाल की याद देश को दिलाई और देश के लोगों को याद दिलाया कि देश में संविधौन का जितना अपमान कांग्रेस ने किया है, किस ने नहीं किया है।उन्होंने देश को यह भी याद दिलाया कि देश के नेताओं व लोगों के साथ आपातकालमें कितने अत्याचार किए गए थे। कांग्रेस ने सोचा नहीं था कि संविधान के मुद्दे पर पीएम मोदी इस तरह पलटवार कर सकते हैं कि कांग्रेस को कुछ कहते न बने। संसद में लोकसभा अध्यक्ष ने जब आपातकाल के विरोध में निंदा प्रसताव पेश किया तो यह भी कांग्रेस के लिए अप्रतयाशित था क्योंकि वह हल्ला करने के अलावा कुछकर नहीं सकत थी, आपातकाल का विरोध करने पर वह खुद ही संसद में एक्सपोज हो गई कि कांग्रेस तो आपातकाल का विरोध नहीं करती है। इस देश में जो भी आपातकाल का विरोध नहीं करता है, वह संविधान विरोधी माना जाता है। कुल मिलाकर पीएम मोदी ने आपातकाल के मुद्दे को उठाकर साबित किया संविधान की रक्षक होने का कांग्रेस नाटक कर रही है, उसका तो इतिहास संविधान का अपमान करने के उदाहरणों से भरा हुआ है।कांग्रेस का संविधान रक्षक वाला नरेटिव फेल हो गया तो विपक्ष की तरफ से सेंगोल के मुद्दे पर फिर संविधान के मुद्दे को नए सिरे से सामने लायाग गया है। बताने की कोसिश की जा रहीह है कि संविधन का सम्मान हम ज्यादा करते हैं।

अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया चार चरणों के डिबेट पर आई

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत नें 4 जून 2024 को अपना निर्णय सुनाया अबबारी दुनियां के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में 5 नवंबर 2024 को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसमें दो सशक्त उम्मीदवारों में चार चरणों की डिबेट की प्रक्रिया शुरू हुई है, जिसमें 27 जून 2024 को प्रथम चरण की डिबेट शुरू हुई जो भारतीय समय के अनुसार शुक्रवार सुबह 7 से 8 बजे व अमेरिकी समय के अनुसार देर रात्रि 9 बजे शुरू हुई जिसमें 64 साल के बाद इस डिबेट को टीवी स्टूडियो में आगे लाइव कराया गया। मैंने भी इस डिबेट के कुछ अंश टीवी चैनल के माध्यम से देखें जो काफी अहम महसूस हुए।यह वोटर्स के लिएबहुत सहायक सिद्ध होंगे, क्योंकि विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर डिबेट से एक पूरा विजन झलकता है और पूर्ण पारदर्शिता दिखाई पड़ती है, जिसे पूरे विश्व की मीडिया ने महसूस किया होगा। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर 2024 को जो बिडेन व डोनाल्ड ट्रंप के बीच प्रथम डिबेट संपन्न हुई दूसरी 10 सितंबर 2024 को होगी इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया चार चरणों के डिबेट पर आई तथा अमेरिकाके राष्ट्रपति चुनाव से पहलेउम्मीदवारों के बीच अहम मुद्दों पर डिबेट के आधार पर वोटर को अपनी राय बनाना सराहनीय प्रक्रिया है। साथियों बात अगर हम अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावी प्रक्रिया में चार चरणों के डिबेटको समझने की करें तो, चरण 1ः इसमें पहला चरण प्राइमरी और कॉकस चुनाव का होता है। हर पार्टी में ऐसे कई लोग होते हैं जो राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। प्रत्येक के पास सरकार के काम करने के तरीके के बारे में अपने विचार होते हैं और एक मत वाले लोग एक ही राजनीतिक दल से हो सकते हैं, यहीं पर प्राइमरी और कॉकस की भूमिका सामने आती है। प्राइमरी में पार्टी के सदस्य आम चुनाव में उनका प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार के लिए वोट करते हैं। वहीं दूसरी ओर कॉकस में पार्टी के सदस्य चचाओं और मतदान के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चयन करते हैं। प्राइमरी और कॉकस चुनाव में जो जीतता है वह दोनों पार्टियों की ओर से औपचारिक उम्मीदवार बनता है। इसके बाद प्रत्येक राजनीतिक दल के उम्मीदवार अपने पार्टी सदस्यों का समर्थन जुटाने के लिए पूरे देश में प्रचार करते हैं।राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ के औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की घोषणा के बाद शुरू होती हैअपनी-अपनी पाटीर्के उम्मीदवार के तौर पर जीतने वाले दोनोंउम्मीदवार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ते हैं।चरण 2ः अमेरिकी चुनाव के दूसरे चरण में राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल है। प्रत्येक सम्मेलन में, राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार एक उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्येक पार्टी अंतिम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का चयन करने के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती है।वोटिंग के छह हफ्ते पहले दोनों उम्मीदवारों के बीच टीवी पर राष्ट्रपति पद के लिए तीन बार बहस होती है।गौरतलब है कि राष्ट्रपति बाइडन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच पहली बहस 27 जून को आयोजित की गई। दो और बहस होनी बाकी है।चरण 3ः तीनों बहस होने के बाद मतदान की प्रक्रिया होती है जो अमेरिका चुनाव प्रक्रिया का तीसरा चरण होता है। इस चरण में देश भर के हर राज्य में लोग एक राष्ट्रपति और एक उप राष्ट्रपति के लिए वोट करते हैं। जब लोग अपना वोट डालते हैं, तो वे वास्तव में एक ऐसे समूह के लिए वोट कर रहे होते हैं, जिन्हें इलेक्टर कहा जाता है। चरण 4ः चौथे और अंतिम स्थान पर आता है इलेक्टोरल कॉलेज। दरअसल, अमेरिका के चुनाव में इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम बेहद अहम है। यह लोगों का समूह होता है जो 538 इलेक्टर्स को चुनता है। जिसे 270 इलेक्टर्स का समर्थन मिल जाता है, वह अमेरिका का राष्ट्रपति बनता है। इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम में, प्रत्येक राज्य को कांग्रेस यानी संसद में उसके प्रतिनिधित्व के आधार पर एक निश्चित संख्या में इलेक्टर मिलते हैं। आम चुनाव के बाद प्रत्येक इलेक्टर वोट डालता है और जिस उम्मीदवार को 538 इलेक्टोरल वोट में से आधे से अधिक (270) वोट मिलते हैं, वह जीत जाता है। जीत के बाद नव निर्वाचित राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जनवरी 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। साथियों बात अगर हम 27 जून 2024 को देर रात्रि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दो उम्मीदवारों के बीच प्रथम चरण के डिबेट की करें तो मीडिया के अनुसार, अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। नवंबर में होने वाले चुनाव को लेकर मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच गुरुवार को पहली प्रेसिडेंशियल बहस हुई।दोनों ने करीब 75 मिनट तक एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाएऔर निजी हमले भी किए। राष्ट्रपति बाइडन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच दूसरी बहस 10 सितंबर को आयोजित की जाएगी। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेसिडेंशियल बहस एक अहम कड़ी मानी जाती है। इस बहस में दोनों उम्मीदवार एक-दूसरे की कमजोरियों को उजागर करने की कोशिश करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग के छह हफ्ते पहले दो प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच टीवी पर तीन बार बहस होती है। टेलीविजन पर होने वाली बहसें दशकों से राष्ट्रपति चुनावों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती रही हैं। ये मतदाताओं को उम्मीदवारों को परखने के लिए एक मंच होती हैं।

साथियों बात अगर हम 27 जून 2024 को हुई प्रथम चरण के डिबेट के परिणामों के अनुमानों की करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन गुरुवार को ट्रंप के साथ डिबेट के दौरान बोलते हुए लड़खड़ा गए थे। 81 साल के बाइडन ने कई अनोखे जवाब दिए। वह अरबपतियों और खरबपतियों में भ्रमित हुए। वहीं जब बाइडन अपनी सरकार के कोविड महामारी के दौरान उठाए कदमों का जिक्र कर रहे थे, तभी वह कुछ सेकंड के लिए लड़खड़ा गए और बोल दिया कि हमने मेडिकेयर को हराया। करीब 30 सेकंड तक समझ नहीं आया कि वह क्या बोल रहे हैं।अमेरिका के 46 वें राष्ट्रपति बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। हालांकि व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बाइडन की आवाज बहस के दौरान लड़खड़ाती नजर आई, जिससे डेमोक्रेट के शीर्ष नेता यह सोचने को मजबूर हो गए हैं कि क्या मौजूदा राष्ट्रपति चुनाव से पहले के कठिन महीनों के दौरान शीर्ष पर रह सकते हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार 78 साल के डोनाल्ड ट्रंप ने 90 मिनट की बहस के दौरान शुरूआत से ही बाइडन को कड़ी टक्कर दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की हेल्थ को लेकर कई बार सवाल उठे हैं।कभी उनकी याददाश्त को लेकर खबरें आती हैं तो कभी वह मंच पर ही सो हो जाते हैं। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप यही मुद्दा बना रहे हैं कि बाइडेन अब बुजुर्ग हो चुके हैं। प्रेसिडेंशियल डिबेट में भी बाइडेन कुछ देर के लिए फ्रीज हो गए थे तो यह मुद्दा और भी ज्यादा गर्म हो गया। अब रिपोर्ट के जरिए एक खबर सामने आ रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति 4 बजे के बाद ज्यादा थके हुए लगते हैं, वह 4 बजे के बाद काम करने में असमर्थ रहते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन दिन में 6 घंटे ही ठीक से काम कर पाते हैं। वाइट हाउस के सहयोगियों ने बताया कि 81 वर्षीय बाइडेन आमतौर पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच सबसे बेहतर काम करते हैं। इस समय सीमा के बाद या विदेश यात्रा के दौरान वह कमजोर और थके हुए लगते हैं। अब इस खबर ने फिर से बाइडेन की फिटनेस और हेल्थ को लेकर बहस छेड़ दी है।बाइडेन के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने पर बहस छिड़ गई है।बाइडेन अभी 81 साल के हैं अगर वह जीतते हैं तो उनका दूसरा कार्यकाल लगभग 86 साल में जाकर खत्म होगा। बढ़ती उम्र के कारण उनके दूसरे कार्यकाल को लेकर अब चिंताएं बढ़ने लगी हैं।डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार यह मुद्दा उठा चुके हैं। ट्रंप को जवाब देने लिए उनके पास सबसे बड़ा मौका प्रेसिडेंशियल डिबेट का था, लेकिन 90 मिनट की बहस में बाइडेन कई गलतियां करते नजर आए। ट्रंप ने इन मौकों का फायदा उठाते हुए बाइडेन के एक और कार्यकाल को पूरा करने की क्षमता पर सवाल उठाए।इस बहस के एक दिन बाद ही बाइडेन ने उत्तरी कैरोलिना में एक सभा को संबोधित किया, इसमें उन्होंने कई मुद्दों पर ट्रंप को घेरा।हालांकि उन्होंने अपनी हेल्थ को लेकर कुछ लिमिट को भी स्वीकार किया। बाइडेन ने कहा, मैं पहले की तरह आसानीसे नहीं चलता,मैं पहले की तरहसहजता से नहीं बोलता, मैं पहले की तरह बहस नहीं कर पाता, लेकिन मैं सच बोलना जानता हूं।बाइडेन ने कहा कि यदि उन्हें विश्वास न हो कि मैं पूरे दिल और आत्मा से यह कर सकता हूं तो वे दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर 2024-जो बाईडेन व डोनाल्ड ट्रंप के बीच प्रथम डिबेट संपन्न,दूसरी 10 सितंबर 2024 को होगी अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया चार चरणों के डिबेट पर आई।

सेहत

क्या लिपस्टिक में होते हैं कैंसर वाले केमिकल ये रहा जवाब

खूबसूरत दिखने की चाहत में महिलाएं ब्यूटी और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं. अधिकांश कॉस्मेटिक और ब्यूटी केयर प्रोडक्ट्स बनाने में खतरनाक केमिकल्स का इस्तेमाल होता है, जिन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल करने से हॉर्मोनल सिस्टम में गड़बड़ी, स्किन इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इतना ही नहीं इन प्रोड्क्ट्स का इस्तेमाल लंबे समय तक करने से स्किन कैंसर तक का खतरा रहता है. ऐसा ही कुछ लिपिस्टिक के साथ भी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ज्यादातर लिपस्टिक में कार्सिनोजेन्स नाम का केमिकल होता है, जिससे कैंसर होने का रिस्क ज्यादा रहता है. इतना ही नहीं ज्यादातर लिपस्टिक में क्रोमियम, लेड, एल्युमिनियम, कैडमियम और कई टॉक्सिंस पाए जाते हैं, जिनका सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

कॉस्मेटिक्स-ब्यूटी प्रोडक्ट्स में केमिकल्स

आजकल ज्यादातर कॉस्मेटिक्स और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में केमिकल का इस्तेमाल हो रहा है. लिपिस्टिक, लोशन, नेल पॉलिश, फाउंडेशन, आईशैडो और मस्कारा में पीएफएएस जैसे बेहद खतरनाक केमिकल मिलाए जाते हैं. कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स ज्यादा देर तक टिके रहे, इसके लिए उनमें कई तरह के केमिकल्स मिलाए जाते हैं, पीएफएएस यानी पॉलीफ्लूरोकाइल भी उनमें से एक है. यह कार्बन और फ्लोरीन से मिलकर बनता है, जो जल्दी नहीं टूटता है. इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल कॉस्मेटिक और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में होता है.

लिपस्टिक के साइड इफेक्ट्स

1. लिपिस्टिक में बहुत से केमिकल्स मिलाए जाते हैं, जिनका लगातार इस्तेमाल एलर्जी या इंफेक्शन को बढ़ा सकता है.
2. लिपस्टिक लगातार लगाने से होंठों का रंग काला पड़ सकता है.
3. खाने के साथ लिपिस्टिक अंदर जाकर कई बीमारी बना सकती है.
4. लिपिस्टिक में मौजूद लेड, एल्यूमिनियम, क्रोमियम, कैडमियम और मैग्नीशियम शरीर में जाकर खतरनाक बन सकता है.
5. लिपस्टिक में मौजूद एल्यूमिनियम से अल्सर जैसी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं.
6. कई महिलाएं लिपस्टिक को आईशैडो के तौर पर यूज करती हैं, इससे आंखों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है.
7. लिपस्टिक का लगातार इस्तेमाल प्रेगनेंसी में समस्या बन सकता है.
8. लिपस्टिक लंबे समय तक लगाने से किडनी भी फेल हो सकती है.

लिपिस्टिक के नुकसान से कैसे बचें

1. हर्बल लिपस्टिक चुनें.
2. लिपिस्टिक लगाने से पहले होठों पर बेस लगाएं, इसके लिए कंसीलर का यूज करें.